Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

नये भारत की नई सोच

RNI NO. UPHIN/2018/76874

वर्ष: 07 अंक: 311 | सोमवार, 16 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पीएम मोदी ने 3000 करोड़ की 246 परियोजनाओं का किया

उद्घाटन नक्सली हिंसा से आदिवासियों का सबसे ज्यादा हुआ नुकसानः पीएम मोदी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार, 15 नवंबर को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासी समुदायों ने हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई है। पीएम मोदी ने कहा कि नक्सली हिंसा से सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासी समुदायों को हुआ है। उन्होंने पिछली सरकारों पर आरोप लगाया कि उन्होंने इन समुदायों को उनके हाल पर छोड़ दिया था।



आदिवासी समाज के लिए किया काम

पीएम मोदी ने बताया कि उनकी सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की है और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, 'जनजातीय गौरव दिवस, जो आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 2021 से हर साल 15 नवंबर को मनाया जाता है - अब एक राष्ट्रीय उत्सव बन गया है।'

पीएम ने आगे कहा, 'एक समय था जब कई त्योहार और अवसर विदेशी दृष्टिकोण से तय किए जाते थे। लेकिन आज, भारत अपनी विरासत, इतिहास और नायकों को अपने गौरव के साथ याद कर रहा है।'

3,000 करोड़ की 246 परियोजनाओं का उद्घाटन

प्रधानमंत्री ने आज करीब 3,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 246 विकास परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन किया और उनकी आधारशिला रखी।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य देशभर में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और आदिवासी समुदायों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। पीएम ने बताया, 'ये परियोजनाएं शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आजीविका के साधन और सामुदायिक बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। इनका मुख्य जोर आवश्यक सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और आदिवासी आबादी के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने पर है।'

'वोटर लिस्ट की सभी कमियों को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध', चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करते हुए बताया है कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल हों। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आयोग 'विशेष गहन पुनरीक्षण' प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों में मौजूद कमियों को भी दूर कर रहा है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, 'समय-समय पर कुछ समस्याएं आती रही हैं और आगे भी आ सकती हैं। आयोग इस बात को लेकर पूरी तरह सजग है कि जो लोग वोट देने के पात्र हैं, उनके नाम मतदाता सूची में हों। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन सूचियों में मौजूद सभी कमियों को दूर किया जाए।' चुनाव आयोग ने कहा, 'जिन मतदाताओं के नाम पिछली मतदाता सूची में थे, लेकिन मौजूदा ड्राफ्ट मतदाता सूची से गायब हैं, वे बिना किसी कानूनी कार्रवाई के डर के 'फॉर्म 6' भरकर फिर से आवेदन कर सकते हैं। बशर्ते, वे किसी अन्य संसदीय या विधानसभा क्षेत्र में पहले से पंजीकृत न हों और उनके द्वारा दिए गए घोषणा-पत्र कानून के अनुरूप हों।' चुनाव आयोग ने कोर्ट को यह भी बताया, 'उन मतदाताओं तक पहुंचने के सुझाव पर ध्यान दिया है जिन्हें 'ASDD' (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लिकेट) श्रेणी में रखा गया है, ताकि उन्हें मतदाता सूची में फिर से शामिल किया जा सके।' चुनाव आयोग की तरफ से यह स्पष्टीकरण तब आया है, जब ऐसी चिंताएं जताई गईं कि जो लोग पहले से पंजीकृत हैं, वे यदि फिर से 'फॉर्म 6' जमा करते हैं, तो उन पर 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950' की धारा 31 के तहत कानूनी कार्रवाई हो सकती है। आयोग ने 6 नवंबर, 2026 को उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, जहां 'विशेष गहन पुनरीक्षण' चल रहा है। चुनाव आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा, 'वे मतदाताओं को अपने वर्तमान निवास स्थान पर एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना फॉर्म) भरकर इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर , असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर या बूथ लेवल ऑफिसर के पास जमा करने की अनुमति दें।'

व्हिसलब्लोअर संरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे संजीव चतुर्वेदी

रिट याचिका को संवैधानिक महत्व का मुद्दा बनाने की मांग



वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मैग्सेसे पुरस्कार विजेता और व्हिसलब्लोअर भारतीय वन सेवा के अधिकारी संजीव चतुर्वेदी ने व्हिसलब्लोअर को संरक्षण देने और 2014 के कानून को लागू नहीं किए जाने से पैदा हुए संवैधानिक और वैधानिक शून्य को पाटने के लिए उचित दिशा-निर्देश बनाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

चतुर्वेदी ने अतीत में भ्रष्टाचार के कुछ मामले उजागर किए हैं। उन्होंने लंबित याचिका में दाखिल अपनी अर्जी में कहा है कि किसी संरक्षण व्यवस्था के अभाव में संस्थागत उत्पीड़न का यह सिलसिला कोई अपवाद नहीं, बल्कि व्यवस्था का सामान्य चलन है। उन्होंने कहा,₹व्हिसलब्लोअर संरक्षण कानून की लागू व्यवस्था नहीं होने के कारण किसी व्हिसलब्लोअर के पास संरक्षण के लिए कोई संस्थागत तंत्र नहीं है। न ही कोई ऐसा प्राधिकरण है जिसे प्रतिशोध रोकने और उसकी जांच करने का विशिष्ट काम सौंपा गया हो।₹ उन्होंने मौजूदा रिट याचिका का दायरा बढ़ाने की मांग की, ताकि इसे संवैधानिक महत्व के मुद्दे के समाधान में बदला जा सके। अर्जी के मुताबिक, कानून में ये संशोधन करने के लिए केंद्र ने 11 मई, 2015 को लोकसभा में व्हिसलब्लोअर संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2015 पेश किया था।

यूपी में तीसरी बार सरकार बनने पर युवाओं को ताबड़तोड़ नौकरियां देगी बीजेपी: योगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अगले साल प्रस्तावित उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का भरोसा जताते हुए रविवार को कहा कि तीसरी पारी में उनकी सरकार ''चौकों और छक्कों'' के साथ युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटेगी और उन्हें प्रदेश में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी। आदित्यनाथ ने 'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर यहां स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत 25 लाख टैबलेट वितरण कार्यक्रम की शुरूआत की और इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) तथा उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। कार्यक्रम में लखनऊ, हरदोई, सीतापुर और उन्नाव के 300 शिक्षण संस्थानों के 50 हजार से अधिक विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षुओं को टैबलेट वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''मैंने सपा प्रमुख को भी आश्वस्त किया है कि चिंता मत कीजिए। आज की भीड़ देखकर कह सकता हूं कि हम 1.10 लाख नियुक्ति पत्र जारी करेंगे। तीसरी पारी शुरू होने पर 'चौकों-छक्कों' के साथ बाकी नियुक्ति पत्र भी बांटेंगे और उत्तर प्रदेश के युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे।'' आदित्यनाथ ने दावा किया कि उनकी सरकार अब तक साढ़े नौ लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दे चुकी है।

उन्होंने कहा कि सपा को भी सरकार चलाने के चार अवसर मिले थे, लेकिन वह युवाओं को रोजगार देने में सफल नहीं रही। सपा पर हमला जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं थी।

लगभग हर भर्ती पर अदालत से रोक लग जाती थी या पूरी प्रक्रिया निरस्त कर दी जाती थी।

उन्होंने कहा कि इस दौरान रिश्वत देने वाले अभ्यर्थियों के पैसे भी डूब जाते थे। आदित्यनाथ ने सपा पर भर्ती प्रक्रियाओं में फर्जी अभ्यर्थियों को शामिल करने का आरोप लगाते हुए फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' के पात्रों के उदाहरण से निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि फिल्म में एक व्यक्ति परीक्षा देता है और उसकी जगह दूसरा व्यक्ति परिणाम हासिल करता है। इसी तरह भर्ती परीक्षाओं में भी एक व्यक्ति परीक्षा देता था और नियुक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को मिल जाती थी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार ने ऐसी दो भर्ती प्रक्रियाओं को निरस्त किया, जिनमें सपा के कार्यकाल में कथित तौर पर फर्जी अभ्यर्थियों को शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का उद्देश्य युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी देना है, न कि ऐसे लोगों को नियुक्त करना।

आदित्यनाथ ने शिक्षा विभाग में 3,568, पंचायती राज विभाग में 1,375, खेल कोटे में 470, विधि विज्ञान के क्षेत्र में 28, पुलिस विभाग में 4,543 और राजस्व विभाग में 1,146 नियुक्तियों का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ हजार लेखपालों, 32 हजार पुलिसकर्मियों और 42 हजार होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि अगले 10 दिनों में 42 हजार होमगार्ड को नियुक्ति पत्र देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, रणनीतिक जरूरत भीः राजनाथ सिंह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत भी है। यह बात रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि भारत ने मिसाइल विकास, नौसैनिक प्लेटफॉर्म, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, रडार प्रणालियों और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। ये उपलब्धियां देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उत्पादन एजेंसियों और उद्योग जगत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दर्शाती हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गैर-विनाशकारी मूल्यांकन एवं सहायक तकनीकों पर आयोजित 36वें वार्षिक सम्मेलन और एयरोस्पेस क्षेत्र से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत के रक्षा तंत्र में जैसे-जैसे आधुनिक और जटिल प्रणालियां शामिल हो रही हैं, वैसे-वैसे उनकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना भी बेहद जरूरी हो गया है। प्रत्येक महत्वपूर्ण सामग्री, कलपुर्जे, संयोजन और निर्माण प्रक्रिया को गुणवत्ता के सर्वोच्च मानकों पर खरा उतरना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति केवल इस बात से तय नहीं होती कि उसने कौन-सी तकनीक विकसित की है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि उस तकनीक से तैयार प्रणालियां कितनी गुणवत्तापूर्ण, भरोसेमंद और सुरक्षित हैं। रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में इसका महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि यहां किसी भी तरह की चूक के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता केवल निर्माण प्रक्रिया की एक औपचारिक जरूरत नहीं है, बल्कि यह सैन्य अभियानों की विश्वसनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम आधार है। उन्होंने कहा कि इसी संदर्भ में गैर-विनाशकारी परीक्षण और मूल्यांकन तकनीकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। इन तकनीकों की मदद से किसी सामग्री, कलपुर्जे या संरचना को बिना नुकसान पहुंचाए उसकी मजबूती और आंतरिक स्थिति की जांच की जा सकती है।

फिरोजपुर हाईवे पर पिकअप और क्रूजर की भीषण टक्कर, पांच लोगों की मौत, नौ घायल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

चण्डीगढ़। फाजिल्का-फिरोजपुर हाईवे पर रविवार रात गांव बहक खास के निकट एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया।

शादी समारोह से लौट रही क्रूजर गाड़ी की पिकअप वाहन से जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं, जबकि नौ लोग घायल हो गए।

हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि क्रूजर गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।



शादी समारोह से लौट रहा था 13 लोगों का परिवार

मृतकों के रिश्तेदार संदीप सिंह ने बताया कि उनका परिवार जलालाबाद के गांव टिवाना का रहने वाला है। परिवार के करीब 13 सदस्य क्रूजर गाड़ी में सवार होकर फाजिल्का के गांव करनीखेड़ा में अपने चाचा के बेटे की शादी में शामिल होने गए थे। रविवार रात समारोह से वापस लौटते समय गांव बहक खास के पास उनकी गाड़ी की पिकअप से टक्कर हो गई।

हादसा इतना भीषण था कि क्रूजर गाड़ी का अगला और बीच का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गाड़ी में सवार कई लोग अंदर ही फंस गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मदद के लिए पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

संदीप सिंह के अनुसार, हादसे में उनके परिवार के दो बच्चों सहित चार लोगों की मौत हुई है। इनमें उनका भतीजा, भतीजी, परिवार की माता और गाड़ी का चालक शामिल हैं। वहीं, शुरूआती जानकारी के अनुसार हादसे में कुल पांच लोगों की मौत हुई है, जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा नौ लोग घायल हुए हैं।

सड़क सुरक्षा फोर्स ने पहुंचाया अस्पताल

हादसे की सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा फोर्स की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायलों को तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाया और हाईवे पर यातायात को सुचारु करवाया। सड़क सुरक्षा फोर्स के इंचार्ज आत्माराम ने बताया कि घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे की सूचना संबंधित थाने की पुलिस को भी दे दी गई है।

पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी

आत्माराम ने हादसे को बेहद दर्दनाक बताया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में कई लोगों की जान गई है और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। वहीं, सरकारी अस्पताल के सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ. एरिक एडिसन ने भी हादसे की पुष्टि की है। घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।

सोनम वांगचुक 60 दिनों के लिए नजरबंद



वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लद्दाख में 4 दिसंबर को होने वाले हिल काउंसिल चुनावों से पहले प्रशासन ने सोनम वांगचुक को 60 दिनों के लिए घर में नजरबंद कर दिया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत उनकी आवाजाही और रैलियों पर रोक लगाई गई है। वहीं वांगचुक और कई स्थानीय संगठन कड़ाके की सर्दी में चुनाव कराने का कड़ा विरोध कर रहे हैं। सोनम वांगचुक को 60 दिनों के लिए घर में नजरबंद कर दिया गया है और उनके किसी भी सार्वजनिक रैली या जुलूस में शामिल होने पर रोक लगा दी गई है। लेह के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने यह आदेश उस घटना के एक दिन बाद जारी किया, जब लद्दाखी संगठनों के विरोध प्रदर्शन के बीच वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाया गया था।

छठ पूजा पर सोमवार को सुबह 4:30 बजे से चलेगी दिल्ली मेट्रो, यमुना घाटों के आसपास ट्रैफिक पाबंदियां भी लागू

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। छठ पूजा के मौके पर श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए डीएमआरसी ने रविवार को बड़ा ऐलान किया है। दिल्ली मेट्रो ने सोमवार, 16 नवंबर को अपनी सेवाएं तय समय से डेढ़ घंटे पहले शुरू करने का फैसला किया है। अब सोमवार को मेट्रो ट्रेनें सुबह 6 बजे के बजाय सुबह 4 बजकर 30 मिनट से ही चलनी शुरू हो जाएंगी।



सभी लाइनों पर हर 15 मिनट में मिलेगी मेट्रो

डीएमआरसी के मुताबिक, यह खास सुविधा दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी टर्मिनल स्टेशनों से मिलेगी। इसका मकसद सुबह तड़के छठ घाटों पर जाने वाले श्रद्धालुओं को आने-जाने में आसानी देना है। डीएमआरसी ने बताया, 'सुबह साढ़े चार बजे से नियमित मेट्रो सेवाएं शुरू होने तक सभी लाइनों पर ट्रेनें 15 मिनट के अंतराल पर चलेंगी।

इसके बाद दिन भर मेट्रो का संचालन अपने तय समय के मुताबिक सामान्य रूप से जारी रहेगा।' इस इंतजाम से छठ पर्व के आखिरी दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाटों पर जाने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी।

ट्रैफिक पुलिस की सलाह के मुताबिक, वजीराबाद इलाके के राम घाट, सूर घाट और बजरंगी घाट पर भारी भीड़ जुटने की संभावना है। इसके अलावा आईएसबीटी के पास मौजूद वासुदेव घाट और आईपी एस्टेट इलाके के हाथी घाट पर भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचेंगे।

पुलिस ने कहा है, 'श्रद्धालुओं की आवाजाही और उस समय के ट्रैफिक हालात को देखते हुए इन घाटों की ओर जाने वाली और आसपास की सड़कों पर जरूरत के हिसाब से ट्रैफिक को नियंत्रित किया जाएगा।

यमुना घाटों के आसपास सोमवार सुबह 8 बजे तक ट्रैफिक पाबंदियां

दूसरी तरफ, छठ पूजा के चलते दिल्ली में यमुना घाटों की तरफ जाने वाली और उनसे जुड़ी कई सड़कों पर रविवार दोपहर दो बजे से सोमवार सुबह आठ बजे तक यातायात पाबंदियां लागू रहेंगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बताया है कि 15 और 16 नवंबर को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के अलग-अलग घाटों पर पहुंचने की उम्मीद है।

संपादक की कलम

'फ्रॉड' एसआईआर भंग करें



ललित शर्मा
संपादक

भाजपा अब धीरे-धीरे साबित हो रहा है कि मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के नाम पर जो ह्यविशेष गहन पुनरीक्षणह्न (एसआईआर) किया गया अथवा अब भी जारी है, वह गलत, विरोधाभासी और फ्रॉड है। अब सत्ताधारी भाजपा भी इसका शिकार हो रही है। जिन 13 राज्यों, संघशासित क्षेत्रों में एसआईआर किया जा चुका है, वहां भी यह प्रक्रिया ह्यफ्रॉडह्न करार दी गई है, लेकिन उसे विपक्ष का ह्यराजनीतिक प्रलापह्न मान लिया गया। अब उप्र के भाजपाई मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ह्यवोट चोरीह्न तो नहीं कहा, लेकिन सवाल उठाया है कि विधानसभा की मतदाता सूची में 16 करोड़ से अधिक नाम होने चाहिए, लेकिन 13 करोड़ नाम ही हैं। ऐसा क्यों है? हम असल आंकड़ा बता देते हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, उप्र के पंचायत, नगर निकाय की मतदाता सूची में 16.90 करोड़ से अधिक नाम हैं, जबकि विधानसभा सूची में 13.56 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हैं। अंतर 3.34 करोड़ मतदाताओं का है। यह गंभीर और जनादेश को प्रभावित करने वाला अंतर है। मुख्यमंत्री ने यह भी चिंता जताई है कि सूची से 1.27 करोड़ हिंदुओं के नाम गायब हैं। पंचायत सूची में दर्ज करीब 66 लाख वोटर और सरकारी योजनाओं के करीब 55 लाख लाभार्थियों के नाम और 18-19 साल के करीब 4.50 लाख मतदाताओं के नाम सूची में नहीं जोड़े गए हैं। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इन आंकड़ों की जानकारी कैसे मिली? क्या इससे चुनाव आयोग और भाजपा की ह्यसांठगांठह्न साबित होती है? संवेदनशील और संवैधानिक सवाल यह किया जाना चाहिए कि इतने व्यापक स्तर पर ह्यमताधिकारह्न कैसे छीना जा रहा है? और केंद्र सरकार एसआईआर के समर्थन में राजनीति क्यों कर रही है? अब चुनाव आयोग उप्र में पंचायत, नगर निकाय और विधानसभा की तीनों मतदाता सूचियों का मिलान कर रहा है! यह कवायद बिहार, बंगाल से लेकर तमिलनाडु और केरल तक के राज्यों में नहीं की गई! यहां तक कि महाराष्ट्र, हरियाणा, मप्र, राजस्थान में भी नहीं कराई गई, जहां भाजपा सरकारें हैं! क्या 1.27 करोड़ मतदाताओं को भी ह्यघुसपैठिएह्न करार दिया जा सकता है? देश भर में अभी तक 3 करोड़ से कुछ अधिक ऐसे नाम सामने आए हैं, जो मतदाता घर पर नहीं मिले अथवा बार-बार प्रयास करने के बावजूद उनसे संपर्क नहीं हो सका, लिहाजा उन 3 करोड़ नामों को गृहमंत्री अमित शाह ने ह्यघुसपैठिएह्न घोषित कर दिया था। उप्र में गृहमंत्री कभी भी ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि भाजपा हिंदू मतदाताओं को तो अपना ह्यवोट बैंकह्न मानती है। गौरतलब यह है कि उप्र में जो जिले, इलाके ह्यभाजपा के गढ़ह्न माने जाते रहे हैं और पार्टी वहां से लगातार जीतती रही है, वहां औसतन 20 फीसदी मतदाता काट दिए गए हैं। यहां कोई ह्यतार्किक विसंगतिह्न नाम की चिड़िया भी नहीं है। फिर भी हिंदू नाम गायब कर दिए गए हैं, यह बहुत बड़ी राजनीतिक घटना है। भाजपा जरूर चिंतित होगी! क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता ऐसा दुस्साहस कर सकते हैं कि अपने आकाओं के वोट बैंक पर ही ह्यलाल लाइनह्न फेर दें? हम इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते। संभव है कि यह भाजपा के भीतर नेतृत्व की लड़ाई का परिणाम हो और योगी को तीसरी बार जीतने की राह में कांच बिछाए जा रहे हों! हमें यह संभावना भी खोखली लगती है, क्योंकि खुद प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उप्र से ही लोकसभा सांसद हैं। प्रसंगवश यह भी गौरतलब है कि मुस्लिम मतदाता 1.65 फीसदी बढ़ गए हैं, लिहाजा अखिलेश यादव सरीखे नेताओं ने अब एसआईआर पर बयानबाजी ही बंद कर दी है। मुख्यमंत्री उन्हें उकसा रहे हैं कि अब अखिलेश ह्यवोट चोरीह्न और एसआईआर बंद करने का बयान दें। यह मुद्दा इसलिए बेहद नाजुक है, क्योंकि आम नागरिक के मौलिक अधिकार से जुड़ा है।

दुनिया के 'नफरती शासकों' के लिये सन्देश हैं अमेरिकी उपचुनाव



तनवीर जाफरी
लेखक



अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के दोनों सदनों यानी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेनटेटिव्स पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है ।रिपब्लिकन पार्टी के दोनों सदनों में बहुमत खोने के बाद अब ट्रंप के शेष कार्यकाल के लिए अमेरिका में ₹विभाजित सरकार₹ की स्थिति बन गई है। 13 नवंबर 2026 तक घोषित आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार ऊपरी सदन यानी 100 सीटों वाली यूएस सीनेट ने 55 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी में दो निर्दलीय सांसद भी शामिल हैं जो डेमोक्रेट्स के साथ गठबंधन में हैं। जबकि सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी 44 सीटों पर सिमट गई है। इसी तरह कुल 435 सीटों वाले निचले सदन यानी यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेनटेटिव्स में जहां बहुमत के लिए 218 सीटों की आवश्यकता होती है। अब तक घोषित 424 सीटों में से डेमोक्रेटिक पार्टी ने 255 सीटें जीत ली हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को 169 सीटें मिली हैं। यह पिछले 112 वर्षों में हाउस चुनावों में डेमोक्रेट्स की दूसरी सबसे बड़ी जीत बताई जा रही है। कई रिपब्लिकन गढ़ों में सेंध लगाते हुये डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने उन राज्यों में भी कई सीनेट सीटें जीतीं जिन्हें पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन गढ़ माना जाता है। इनमें आयोवा,नॉर्थ कैरोलिना, मेन (ट्रॉय डेल जैक्सन), साउथ कैरोलिना (एनी एंड्रयूज) और मिसिसिपी (स्कॉट कोलोम) जैसी सीटें शामिल हैं। इसी तरह जॉर्जिया में डेमोक्रेट कीशा लांस बॉटम्स अमेरिका के किसी भी राज्य की गवर्नर चुनी जाने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं। वहीं न्यू मैक्सिको में डेब हैलैंड अमेरिका की पहली मूल अमेरिकी महिला गवर्नर चुनी गईं। मिशिगन से अब्दुल अल-सैयद देश के पहले मुस्लिम सीनेटर और न्यू हैम्पशायर से क्रिस पप्पास पहले खुले तौर पर समलैंगिक पुरुष सीनेटर चुने गए हैं। माना जा रहा है कि जनवरी 2027 में नई कांग्रेस के शपथ लेने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के लिए अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना अब बेहद कठिन हो जाएगा। सीनेट और हाउस दोनों पर नियंत्रण होने के कारण डेमोक्रेटिक पार्टी अब राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा की जाने वाली न्यायिक और कैबिनेट नियुक्तियों को रोकने की शक्ति रखेगी। इसके साथ ही, डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाली संसदीय समितियां व्हाइट हाउस के कामकाज और नीतियों की जांच भी शुरू कर सकेंगी।

अब सवाल यह है कि क्या शांतिप्रिय अमेरिकी जनता को ट्रंप की 'मागा' 'ट'ी ओ१ूं ऋ्रीं३ ॲल्ल' मुहीम रास नहीं आयी या फिर वे 'टअऋ्रअ' की आड़ में छुपे ट्रंप के नफरती व पूंजीवादी एजेंडे को पहचान गये ? दरअसल ईरान पर अमेरिका द्वारा अकारण युद्ध थोपे जाने और गजा नरसंहार के नायक बेंजमिन नेतन्याहू के लगभग हर मानवता विरोधी मिशन में उसका साथ देते रहने वाले ट्रंप ने अपने भाषणों में साम्प्रदायिकता का जहर उगलकर पिछले दिनों हुये अमेरिकी उपचुनावों को भी नफरती रंग देने की भरपूर कोशिश की। उन्होंने चुनाव अभियानों के दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी के मुस्लिम उम्मीदवारों के खिलाफ कई तीखे और विवादास्पद बयान दिए। इनमें आतंकवाद से जोड़ना, नागरिकता पर सवाल उठाना, नाम बिगाड़ना और धार्मिक कानून का डर दिखाना आदि शामिल था। मिसाल के तौर पर मिशिगन से यूएस सीनेट का चुनाव जीतने वाले डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सैयद चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप के निशाने पर रहे। ट्रंप ने मिशिगन की चुनावी रैलियों में अल-सैयद को बार-बार ₹क्रूर, हिंसक व जिहादी₹ कहा। ट्रंप ने कहा कि वे मिशिगन इसलिए आए हैं ताकि ₹एक जिहादी 'मुस्लिम ब्रदरहुड' सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोका जा सके₹। चुनाव से ठीक पहले 1 नवंबर 2026 को एक रैली में ट्रंप ने कहा था कि यदि अल-सैयद चुनाव जीत जाते हैं, तो सीनेट में प्रवेश करने से पहले उनकी जांच करने के लिए वहां 'मेटल डिटेक्टर' लगाने पड़ेंगे। उन्होंने अपने भाषणों में जानबूझकर अब्दुल अल-सैयद को ₹मोहम्मद₹ कहकर संबोधित किया। ट्रंप के नफरती बयान की हद तो यह है कि ट्रंप ने मतदाताओं से अपील की कि वे अल-सैयद को हराकर ₹उन्हें वापस वहीं भेज दें जहां से वे आए हैं₹। जबकि अल-सैयद का जन्म अमेरिका के मिशिगन में ही हुआ है। इसके अतिरिक्त ट्रंप ने अल-सैयद का विरोध करने के लिए 9/11 आतंकी हमलों की तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया। इतना ही नहीं बल्कि ट्रंप ने हाउस ऑफ रिप्रेजेनटेटिव्स अर्थात प्रतिनिधि सभा की वर्तमान मुस्लिम सदस्यों इल्हान उमर और रशीदा तालिब पर भी तीखे व्यक्तिगत और राजनीतिक हमले किए। उन्होंने उमर के मूल देश सोमालिया का उपहास उड़ाते हुए कहा कि वह ₹एक ऐसे देश से आती हैं जो असल में एक देश भी नहीं है₹। अगस्त 2026 में ट्रंप ने सोमाली मूल के लोगों और नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा था कि ₹वे बुद्धिमान नहीं हैं, उनमें कोई योग्यता नहीं है और वे हमें बता रहे हैं कि हमें अपना देश कैसे चलाना है।₹ इसी दौरान उन्होंने ओवल ऑफिस में कहा कि ₹हमारे यहां हर जगह जिहादी चुने जा रहे हैं।₹ इसी तरह ट्रंप ने मिशिगन से सांसद रशीदा तालिब और इल्हान उमर के लिए बार-बार कहा कि उन्हें अपने ₹मूल देशों₹ (फिलिस्तीन और सोमालिया) वापस चले जाना चाहिए, जबकि रशीदा तालिब का भी जन्म अमेरिका में ही हुआ है। ट्रंप द्वारा केवल कुछ मुस्लिम उम्मीदवारों पर व्यक्तिगत रूप से ही नहीं, बल्कि पूरे डेमोक्रेटिक खेमे के मुस्लिम नेताओं को लेकर ट्रंप और उनके सहयोगियों ने एक व्यापक नैरेटिव तैयार किया था। ट्रंप और रिपब्लिकन नेताओं ने चुनाव प्रचार में यह दावा किया था कि मुस्लिम उम्मीदवारों के जीतने से अमेरिका में शरिया कानून लागू हो जाएगा। नफरती ट्रंप ने बिना किसी सबूत के मुस्लिम उम्मीदवारों पर कई प्रतिबंधित संगठनों और ₹मुस्लिम ब्रदरहुड₹ से जुड़े होने तक के झूठे व बेबुनियाद आरोप लगाए और अमेरिका के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाए। गौरतलब है कि 2025 के न्यूयॉर्क शहर के मेयर चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने जोहरान ममदानी के खिलाफ भी कई तीखे, व्यक्तिगत,नस्लवादी व अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।उन्होंने ममदानी को 100% पागल कम्युनिस्ट ,आपदा, अनाकर्षक,विदेशी,देश विरोधी,न्यूयार्क को बर्बाद करने वाला बताते हुए उनपर इस्लामोफोबिक हमले किए थे। परन्तु ममदानी को भी न्यूयार्क के लोगों ने मेयर चुनाव में विजयी बनाया। रिपब्लिकन पार्टी विशेषकर ट्रंप द्वारा अमेरिकी चुनाव के इतिहास में किये गये इस तरह के सांप्रदायिकतावादी दुष्प्रचार का अमेरिका में पुरजोर विरोध किया गया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन जैसे कई बड़े नेताओं ने ट्रंप द्वारा मुसलमानों के विरुद्ध किये जाने वाले दुष्प्रचार की आलोचना की। अनेक संगठनों ने भी ट्रंप की इस नफरती बयानबाजी की निंदा करते हुए इसे ₹नस्लवादी₹ करार दिया।

16 नवंबर: आस्था, प्रेस की आजादी और सहिष्णुता का ऐतिहासिक संगम!



किशन भावनानीं
लेखक



वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता का इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि संसार में शांति,प्रेम,भाईचारा, सद्भाव और मानवीय मूल्यों की स्थापना केवल कानूनों, सरकारी घोषणाओं अथवा धार्मिक उपदेशों से संभव नहीं है,बल्कि इसके लिए प्रत्येक मनुष्य के हृदय और मस्तिष्क में सहिष्णुता,करुणा,उदारता और दूसरे के विचारों का सम्मान करने की भावना का होना अनिवार्य है ।यदि मानव समाज के प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में सहिष्णुता का वास्तविक भाव समाहित हो जाए तो जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र,विचारधारा और सांस्कृतिक विविधताओं के बावजूद संपूर्ण संसार एक परिवार की तरह जीवन व्यतीत कर सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि कल्पना कीजिए कि यदि मनुष्य दूसरों के विचारों को सुनने, असहमति को स्वीकार करने,एक-दूसरे की धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करने और विवादों का समाधान संवाद से करने लगे तो वर्तमान कलियुग जैसी सामाजिक कटुता,वैमनस्य और संघर्षों को काफी हद तक कम करके मानवता को सतयुग और त्रेतायुग के आदर्शों की दिशा में अग्रसर किया जा सकता है ।इसी मानवीय विचारधारा को विशेष अर्थ प्रदान करने वाला 16 नवंबर 2026 का दिन अपने भीतर तीन अलग- अलग लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसरों का अद्भुत संगम लेकर आया है। इस दिन भारत में राष्ट्रीय प्रेस दिवस, संपूर्ण विश्व में अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस और भारत की लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का अंतिम दिन अर्थात उषा अर्घ्य एवं पारण मनाया जाएगा ।इन तीनों अवसरों काएक साथ पड़ना हमें यह विचार करने का अवसर देता है कि क्या मानवता की वास्तविक उन्नति का मार्ग सहिष्णुता, जिम्मेदार अभिव्यक्ति और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता से होकर नहीं गुजरता?

साथियों बात अगर हम छठ महापर्व उगते सूर्य के अर्घ्य में प्रकृति,अनुशासन और मानवता का संदेशभारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में छठ महापर्व का विशेष स्थान है ।यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता परिवार के कल्याण, आत्मानुशासन,स्वच्छता,सामूहिक सहभागिता और आस्था का अद्भुत उदाहरण है ।वर्ष 2026 में चार दिवसीय छठ महापर्व 13 नवंबर को नहाय-खाय से प्रारंभ हुआ, 14 नवंबर को खरना मनाया गया,15 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य दिया और 16 नवंबर सोमवार को उगते हुए सूर्य को उषा अर्घ्य अर्पित करने के साथ व्रत का पारण हो रहा है ।इस अवसर पर श्रद्धालु नदियों,तालाबों और अन्य जलाशयों के किनारे एकत्रित होकर सूर्यदेव और छठी मैया के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट कर रहे हैं ।छठ पूजा की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक यह है कि इसमें अस्त होते सूर्य के साथ-साथ उगते सूर्य को भी समान श्रद्धा से अर्घ्य दिया जाता है ।यह परंपरा हमें जीवन का एक गहरा मानवीय औरसामाजिक संदेश देती है कि सम्मान केवल सफलता और उन्नति के समय ही नहीं, बल्कि संघर्ष,कठिनाई और अवसान के समय भी मिलना चाहिए ।दूसरे शब्दों में, मनुष्य को किसी व्यक्तिका मूल्यांकन केवल उसकी वर्तमान स्थिति,आर्थिक हैसियत अथवा सामाजिक प्रतिष्ठा के आधार पर नहीं करना चाहिए। छठ पर्व में सामूहिकता का भाव भी अत्यंत प्रेरणादायक है ।घाटों की सफाई,रास्तों की व्यवस्था श्रद्धालुओं की सहायता, प्रसाद की तैयारी और पूजा की सामूहिक व्यवस्थाओं में विभिन्न समुदायों के लोग योगदान देते हैं ।यह दृश्य बताता है कि धार्मिक आस्था का वास्तविक सौंदर्य तब और बढ़ जाता है,जब उसमें मानव सेवा, परस्पर सहयोग और सामाजिक सौहार्द भी सम्मिलित हो जाए। छठ का प्रकृति से जुड़ा स्वरूप हमें जल स्रोतों की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सम्मान की जिम्मेदारी भी याद दिलाता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस विविधताओं को स्वीकार करने की वैश्विक मानवीय पहल को समझने की करें तो,अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस प्रत्येक वर्ष 16 नवंबर को मनाया जाता है। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वर्ष 1995 से जुड़ी हुई है,जब यूनेस्को के सदस्य देशों ने 16 नवंबर 1995 को सहिष्णुता के सिद्धांतों की घोषणा स्वीकार की थी। इसके बाद वर्ष 1996 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 51/95 के माध्यम से 16 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस घोषित किया ।इस दिवस का मूल उद्देश्य दुनियाँ के देशों, समाजों और नागरिकों में सहिष्णुता, आपसी सम्मान, सांस्कृतिक विविधता, मानवाधिकारों तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करना है ।यूनेस्को की अवधारणा के अनुसार सहिष्णुता का अर्थ केवल दूसरों को बर्दाश्त करना नहीं, बल्कि उनकी विविध संस्कृतियों अभिव्यक्तियों और मानवीय अस्तित्व का सम्मान एवं स्वीकार करना है। यह बात विशेष रूप से समझने योग्य है कि सहिष्णुता का अर्थ अन्याय,शोषण,भेदभाव अथवा मानवाधिकारों के उल्लंघन को चुपचाप स्वीकार करना नहीं है। बल्कि इसका वास्तविक अर्थ है कि हम अपने अधिकारों के साथ दूसरों के अधिकारों का भी सम्मान करें और असहमति होने पर भी संवाद तथा संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करें।आज जब विश्व अनेक क्षेत्रों में युद्ध, धार्मिक तनाव, नस्लीय भेदभाव, भाषायी विवाद, सामाजिक विभाजन और वैचारिक टकराव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब सहिष्णुता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। यदि विश्व के राष्ट्र अपनी राजनीतिक,धार्मिक और आर्थिक प्रतिस्पधाओं से ऊपर उठकर मानवता को प्राथमिकता दें तो अंतरराष्ट्रीय शांति और सहयोग की नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय प्रेस दिवसःस्वतंत्र अभिव्यक्ति के साथ सहिष्णुता और जिम्मेदारी का संकल्प को समझने की करें तो,16 नवंबर भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि इसी दिन राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1966 में 16 नवंबर को भारतीय प्रेस परिषद ने कार्य करना प्रारंभ किया था। इस दिन का उद्देश्य स्वतंत्र और जिम्मेदार पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करना तथा प्रेस की स्वतंत्रता और उसके नैतिक दायित्वों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। लोकतंत्र में प्रेस को चौथा स्तंभ कहा जाता है,क्योंकि वह सरकार, प्रशासन, न्यायव्यवस्था सामाजिक संस्थाओं और आम नागरिकों के बीच सूचना तथा संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है ।लेकिन प्रेस की वास्तविक शक्ति केवल समाचार प्रकाशित करने में नहीं, बल्कि सत्य की खोज,तथ्यों की पुष्टि, निष्पक्षता जनहित और जवाबदेही सुनिश्चित करने में निहित है। यहां सहिष्णुता का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। पत्रकारिता का उद्देश्य किसी व्यक्ति,समुदाय, धर्म अथवा विचारधारा को अपमानित करना नहीं,बल्कि तथ्यों के माध्यम से समाज को जागरूक करना होना चाहिए। किसी समाचार से असहमति होने पर उसका उत्तर तर्क और प्रमाणों से दिया जाना चाहिए, न कि धमकी, हिंसा अथवा अभिव्यक्ति पर अनुचित प्रतिबंध लगाकर। इसी प्रकार पत्रकारों को भी आलोचना स्वीकार करने, विभिन्न पक्षों को सुनने और समाचारों में संतुलन बनाए रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।आज डिजिटल मीडिया सामाजिक संचार मंचों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित सामग्री और तेजी से फैलती भ्रामक सूचनाओं के दौर में जिम्मेदार पत्रकारिता का महत्व कई गुना बढ़ गया है। किसी अपुष्ट खबर को सनसनीखेज बनाकर प्रसारित करना सामाजिक तनाव को बढ़ा सकता है, जबकि सत्यापित और संतुलित पत्रकारिता समाज में विश्वास तथा सद्भाव स्थापित कर सकती है ।इसलिए राष्ट्रीय प्रेस दिवस का संदेश केवल प्रेस की स्वतंत्रता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि स्वतंत्रता के साथ सत्यनिष्ठा, सहिष्णुता और सामाजिक जिम्मेदारी का संकल्प भी सटीकता से होना चाहिए। साथियों बात अगर हम तीनों अवसरों का साझा संदेश : सहिष्णुता से ही संभव है इसको समझने की करें तो सभ्य और शांतिपूर्ण समाज, अब इन तीनों अवसरों को एक साथ जोड़कर देखें तो इनके बीच एक अद्भुत वैचारिक समानता दिखाई देती है। अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस हमें सिखाता है कि दुनियाँ की विविधताओं का सम्मान करना चाहिए। राष्ट्रीय प्रेस दिवस बताता है कि विचारों की स्वतंत्रता के साथ सत्य और जिम्मेदारी का पालन करना चाहिए। वहीं छठ महापर्व हमें प्रकृति, परिवार समाज और जीवन के प्रति कृतज्ञता तथा अनुशासन का संदेश देता है।

समस्याओं से नहीं, समाधानों से पहचान बनाइए

किशन भावनानीं

कविता



परेशानियों पर सोचने से,मुश्किलें कम नहीं होतीं,
केवल चिंता की आँधियों से,राहें कभी नहीं खुलतीं।
हौसलों को दिशा देकर,समाधान तलाशना सीखिए,
हर उलझी हुई परिस्थिति में,नई राह निकालना सीखिए।

आँसुओं में ऊर्जा बहाकर,सपनों को मत हारने दो,
निराशा के अंधकार को,मन में कभी न उतारने दो।
जो वक्त की चुनौती से,टकराने का हुनर रखते हैं,
वही पत्थरों के सीने में भी,रास्ते बनाने का दम रखते हैं।

समस्याओं का शोर नहीं,समाधान की आवाज बनो,
टूटती हुई उम्मीदों में,नए विश्वास का आगाज बनो।
हर कठिन सवाल का उत्तर,धैर्य से तलाशते चलो,
गिरती हुई परिस्थितियों में भी, आगे बढ़ते चलो।

शिकायतों से कभी किसी की,तकदीर नहीं बदलती है,
मेहनत की सच्ची कोशिश से,हर मंज़िल मिलती है।
जो अपनी ऊर्जा को कर्मों की ताकत बना लेते हैं,
वही बंद दरवाजों में भी, संभावनाएँ खोज लेते हैं।

न परेशानियों से घबराओ,न हालातों से हार मानो,
अपने भीतर छिपी शक्ति को,सबसे बड़ी पहचान मानो।
किशन रोने में नहीं,राह बनाने में अपनी ऊर्जा लगाइए,
समाधानों के दीप जलाकर,जीवन को सफल बनाइए।

शरीर में इंसुलिन क्यों नहीं करता ठीक से काम? आईआईटी कानपुर की खोज से जगी नई उम्मीद



ललित गर्ग
लेखक



मधुमेह (डायबिटीज) आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। इस बीमारी में शरीर में रक्त शर्करा का स्तर सामान्य से अधिक हो जाता है। इसका एक प्रमुख कारण इंसुलिन हार्मोन का पर्याप्त मात्रा में न बनना या शरीर की कोशिकाओं द्वारा इंसुलिन के प्रति सही प्रतिक्रिया न देना है। इस स्थिति को इंसुलिन रेजिस्टेंस कहा जाता है।

इंसुलिन अग्न्याशय (पैंक्रियाज) द्वारा बनाया जाने वाला महत्वपूर्ण हार्मोन है। इसका मुख्य कार्य रक्त में मौजूद ग्लूकोज को कोशिकाओं तक पहुंचाने में मदद करना है, ताकि शरीर उसे ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल कर सके। लेकिन जब कोशिकाएं इंसुलिन के संकेतों को ठीक से समझ नहीं पातीं, तो रक्त में शर्करा की मात्रा बढ़ने लगती है।

आईआईटी कानपुर के शोध में क्या सामने आया?

आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों ने अपने नए शोध में अग्न्याशय के भीतर मौजूद प्रतिरक्षा कोशिकाओं और इंसुलिन बनाने वाली बीटा कोशिकाओं के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध का पता लगाया है। शोध के अनुसार, अग्न्याशय में मौजूद मैक्रोफेज (नामक प्रतिरक्षा कोशिकाएं कुछ ही मिनटों में इंसुलिन के स्राव को कम कर सकती हैं। अब तक वैज्ञानिकों का मानना था कि मोटापे के कारण शरीर में लंबे समय तक रहने वाली हल्की सूजन बीटा कोशिकाओं को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाती है। लेकिन आईआईटी कानपुर के शोध ने एक अलग और तेज प्रक्रिया का खुलासा किया है। इसमें प्रतिरक्षा कोशिकाएं सीधे बीटा कोशिकाओं को संकेत भेजकर इंसुलिन के स्राव की प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं।

शोधकताओं ने पाया कि इस प्रक्रिया में स्फिंगोलिपिड्नामक विशेष वसा अणु संदेशवाहक की भूमिका निभाते हैं। जब मैक्रोफेज सक्रिय होते हैं, तो वे इन वसा अणुओं को छोड़ते हैं। आसपास की बीटा कोशिकाएं इन्हें ग्रहण कर लेती हैं, जिससे उनके भीतर इंसुलिन छोड़ने वाली जैविक प्रक्रिया बाधित हो जाती है।

जीपीआर-18 रिसेप्टर की महत्वपूर्ण भूमिका

इस शोध में वैज्ञानिकों ने जीपीआर-18 नामक रिसेप्टर की पहचान की है, जो प्रतिरक्षा कोशिकाओं में इस प्रक्रिया को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रयोगों में जब इस मार्ग को सक्रिय किया गया, तो चूहों में इंसुलिन का स्राव कम हो गया। इसके विपरीत, इस प्रक्रिया को रोकने पर इंसुलिन का स्राव बेहतर हुआ।

इस शोध की एक विशेष उपलब्धि यह है कि वैज्ञानिकों ने अमेरिका के इंडियाना बायोसाइंसेज रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से मानव अग्न्याशय के ऊतकों में भी इस प्रक्रिया की पुष्टि की है। इससे यह संभावना मजबूत हुई है कि यह तंत्र केवल प्रयोगशाला के चूहों तक सीमित नहीं है।

भविष्य में नई दवाओं की उम्मीद

आईआईटी कानपुर के जैविक विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. साई प्रसाद पायडी के मार्गदर्शन में यह शोध किया गया। सिमरन सिंह और आशीष कुमार इसके सह-प्रथम लेखक हैं। शोध के निष्कर्ष प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। इस खोज से भविष्य में ऐसी दवाओं के विकास की संभावना पैदा हुई है, जो जीपीआर-18 रिसेप्टर, स्फिंगोलिपिड्स या इन वसा अणुओं के बीटा कोशिकाओं में प्रवेश की प्रक्रिया को नियंत्रित कर सकें। विशेष रूप से मोटापे और टाइप-2 मधुमेह से प्रभावित लोगों में इंसुलिन के उत्पादन और स्राव को सुरक्षित रखने के लिए यह अनुसंधान उपयोगी साबित हो सकता है।

हालांकि, यह समझना जरूरी है कि अभी इस शोध के आधार पर मधुमेह की कोई नई दवा या उपचार उपलब्ध नहीं हुआ है। इसके लिए आगे व्यापक प्रयोग, नैदानिक परीक्षण और सुरक्षा संबंधी अध्ययन आवश्यक होंगे। आईआईटी कानपुर की यह खोज मधुमेह के कारणों को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह बताती है कि शरीर की रक्षा करने वाली प्रतिरक्षा कोशिकाएं भी कभी-कभी इंसुलिन के सामान्य स्राव में बाधा डाल सकती हैं। भविष्य में इस प्रक्रिया को नियंत्रित करने में सफलता मिलती है, तो मधुमेह की रोकथाम और उपचार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खुल सकती हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

गंगा खादर की जमीन पर खूनी संघर्ष, दोनों ओर से चलीं गोलियां; सात घायल, युवक लापता

शंकराटीला में आधी रात हुआ विवाद, एक ट्रैक्टर गंगा में गिराया; ग्राम प्रधान समेत सात नामजद और 15 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता





हापुड़। बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव शंकराटीला के खादर इलाके में गंगा किनारे की जमीन पर खेती और कब्जे को लेकर हापुड़ और अमरोहा के किसानों के बीच हुआ विवाद हिंसक संघर्ष में बदल गया। शनिवार देर रात दोनों पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी हुई। गोलियों की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा और खेतों में काम कर रहे किसानों में भगदड़ मच गई। घटना में सात लोगों के घायल होने की सूचना है, जबकि गांव निवासी 19 वर्षीय सौरभ लापता है। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अमरोहा के गांव पिपलौती के ग्राम प्रधान जितेंद्र सहित सात नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हापुड़ और अमरोहा जनपद की सीमा से सटे गंगा खादर क्षेत्र में जमीन की सीमाओं और उस पर खेती करने को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। गंगा का जलस्तर घटने के बाद नदी किनारे काफी जमीन खाली हो जाती है। दोनों जनपदों के किसान इस भूमि पर अपना अधिकार जताते हुए खेती की तैयारी करते हैं। जमीन की जुताई और फसल की बुवाई को लेकर पहले भी कई बार किसानों के बीच विवाद हो चुका है। शनिवार रात शंकराटीला के जंगल में इसी जमीन पर खेती और कब्जे को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि गंगा पार अमरोहा जनपद के हसनपुर थाना क्षेत्र के गांव पिपलौती खुर्द की ओर से आए लोगों ने शंकराटीला के किसानों पर हमला कर दिया। देखते ही देखते कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों ओर से गोलियां चलने लगीं। ग्रामीणों के मुताबिक, फायरिंग इतनी देर तक हुई कि आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। खेतों में मौजूद लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। ग्रामीणों ने घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी के दौरान भी करीब पांच मिनट तक फायरिंग होती रही। सूचना मिलने पर बहादुरगढ़ थाना प्रभारी इंद्रकांत यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी जुटाई। खेतों में कारतूस के खाली खोखे भी मिले। पुलिस ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गंगा पार से आए लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली पर कब्जा करने की नीयत से पहुंचे थे। विरोध करने पर संघर्ष बढ़ गया और इस दौरान एक ट्रैक्टर को गंगा नदी में धकेल दिया गया। घटना के बाद किसानों में आक्रोश है। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ट्रैक्टर को नदी में गिराए जाने और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। इस संघर्ष में शंकराटीला निवासी लाल सिंह पुत्र गोविंदा, विकास पुत्र महिपाल, विकास पुत्र सीताराम, सुरेश पुत्र विजयपाल, राजू पुत्र नेपाल और मनीष पुत्र ब्रजपाल घायल बताए गए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस और मीडिया रिपोर्टों में कुल सात लोगों के घायल होने की जानकारी दी गई है, जबकि छह घायलों के नाम सामने आए हैं। घटना के दौरान गांव निवासी पप्पन का 19 वर्षीय बेटा सौरभ भी लापता हो गया। परिजनों का आरोप है कि संघर्ष के दौरान उसे खेतों से अपने साथ ले जाया गया। घटना के बाद से उसका पता नहीं चलने पर परिवार के लोग परेशान हैं। परिजनों ने पुलिस से सौरभ की तलाश कर उसे सकुशल बरामद करने की मांग की है। उपलब्ध ताजा रिपोर्ट में उसकी बरामदगी की पुष्टि नहीं हुई है।

पीड़ित लाल सिंह की तहरीर पर पुलिस ने अमरोहा जनपद के गांव पिपलौती के ग्राम प्रधान जितेंद्र, हौसराम, चंद्रपाल, नौशाद, हसनैन, शाहरुख और तसलीम सहित 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपियों पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी राहुल यादव के अनुसार, घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच कराई जा रही है। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन ने गंगा खादर की विवादित भूमि के स्वामित्व और सीमाओं की जांच में राजस्व विभाग को भी शामिल किया है।

कूड़े के पहाड़ में आग और जहरीले धुएं से बिजली कर्मचारियों की सांसों पर संकट

रामपुर रोड बिजलीघर के पास वर्षों से जमा कूड़ा बना मुसीबत, शिकायतों के बावजूद नगर पालिका नहीं कर सकी स्थायी समाधान

वेलकम इंडिया संवाददाता



हापुड़। शहर को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी संभालने वाली नगर पालिका की लापरवाही का खामियाजा अब रामपुर रोड स्थित बिजलीघर में तैनात बिजली कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। बिजलीघर के आसपास वर्षों से जमा कूड़े का ढेर अब पहाड़ का रूप ले चुका है। इससे उठने वाली असहनीय दुर्गंध और बार-बार लगने वाली आग से निकलने वाला धुआं कर्मचारियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। कर्मचारियों को दिनभर बदबू और धुएं के बीच बैठकर काम करना पड़ रहा है। कई बार शिकायत और पत्राचार किए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। शनिवार देर रात बिजलीघर के पास जमा कूड़े के ढेर में अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और क्षेत्र में धुएं का गुबार फैल गया। आग की लपटें कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देने की सूचना सामने आई। स्थानीय लोगों की सूचना पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, रविवार शाम तक भी कूड़े के ढेर से धुआं और आग की लपटें निकलने की शिकायत रही। इससे बिजलीघर में तैनात कर्मचारियों की चिंता बढ़ गई। उनका कहना है कि यदि आग की कोई चिंगारी बिजलीघर तक पहुंच गई तो बड़ा हादसा हो सकता है। जानकारी के अनुसार, हापुड़ शहर से प्रतिदिन करीब 80 टन कूड़े का उठान किया जाता है। नगर पालिका के पास स्थायी डलावघर की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण रामपुर रोड स्थित बिजलीघर के पास लंबे समय से कूड़ा डाला जा रहा है। लगातार कूड़ा जमा होने से यहां विशाल ढेर बन गया है। समय पर कूड़े का निस्तारण नहीं होने के कारण यह समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। कूड़े में सड़न और दुर्गंध के साथ आग लगने की घटनाएं भी आसपास के लोगों और कर्मचारियों के लिए खतरा पैदा कर रही हैं।

शिकायतों के बाद भी नहीं निकला समाधान

ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता सचिन द्विवेदी ने बताया कि बिजलीघर के आसपास कूड़ा जमा होने और उससे होने वाली परेशानी के संबंध में प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की जा चुकी है। नगर पालिका के अधिकारियों को कई बार पत्र भी भेजे गए हैं, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि कभी-कभी कुछ कूड़ा हटाकर उसका निस्तारण कर दिया जाता है, लेकिन कुछ समय बाद फिर से कूड़ा जमा हो जाता है। ऐसे में कर्मचारियों को लगातार दुर्गंध और धुएं के बीच काम करना पड़ता है।

बिजलीघर दूसरी जगह ले जाना आसान नहीं

अधिशासी अभियंता सचिन द्विवेदी के अनुसार, बिजलीघर को दूसरी जगह स्थानांतरित करना भी आसान विकल्प नहीं है। इसे शिफ्ट करने में 20 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आने का अनुमान है। इसके अलावा आसपास इतनी बड़ी जमीन उपलब्ध कराना भी चुनौतीपूर्ण होगा। ऐसे में बिजलीघर के पास जमा कूड़े का स्थायी निस्तारण करना ही समस्या का व्यावहारिक समाधान हो सकता है। रामपुर रोड बिजलीघर के आसपास कूड़े का ढेर केवल दुर्गंध तक सीमित समस्या नहीं रह गया है। इसमें आग लगने से निकलने वाला धुआं कर्मचारियों के स्वास्थ्य और आसपास के वातावरण के लिए भी चिंता का विषय है।

सांसद एसपी सिंह पटेल के कथित बयान पर भड़का आक्रोश, पट्टी तहसील में प्रतीकात्मक पुतला दहन कर प्रदर्शन

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। सांसद एसपी सिंह पटेल के कथित सनातन विरोधी बयान को लेकर प्रतापगढ़ में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। रविवार, 15 नवंबर 2026 को पट्टी तहसील परिसर में अखिल भारतीय सर्वजन हित पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं 249 विधानसभा पट्टी के प्रत्याशी प्रवीण कुमार मिश्रा के नेतृत्व में विभिन्न हिंदू संगठनों और पार्टी पदाधिकारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसद का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने सनातन संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और देवी-देवताओं के सम्मान का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्थाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले जनप्रतिनिधियों को अपने बयानों में संवेदनशीलता बरतनी चाहिए। किसी भी धर्म या आस्था को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका विरोध किसी व्यक्ति या समाज विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि धार्मिक आस्थाओं के सम्मान और सांस्कृतिक स्वाभिमान के समर्थन में है। उन्होंने धार्मिक भावनाओं का सम्मान सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई। इस मौके पर ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष बिंदेश्वरी पाठक, जिला अध्यक्ष शिवदत्त पांडेय, जिला प्रवक्ता रोहित विमल सिंह, हिंदू वाहिनी के जिला संयोजक मिश्रा, अतुल शुक्ला, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह भाटी, वतन तिवारी सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान सनातन संस्कृति के सम्मान को लेकर नारेबाजी हुई और कार्यकताओं ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। पट्टी तहसील में हुए इस प्रदर्शन के जरिए आयोजकों ने स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया कि धार्मिक आस्थाओं और परंपराओं के सम्मान का विषय उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

यूजीसी पर राजा भैया का दो टूक बयान– 'लागू नहीं होगा, कह दिया तो कह दिया'

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की प्रस्तावित रामकथा को लेकर कुंडा में तैयारियां जोरों पर हैं। इसी बीच जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कुंडा विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया का यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) को लेकर दिया गया बयान राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। राजा भैया ने अपने बेबाक अंदाज में यूजीसी को लेकर दो टूक शब्दों में कहा कि यह लागू नहीं होगा। उन्होंने अपने चिरपरिचित अंदाज में यहां तक कहा कि कह दिया तो कह दिया, बस। उनके इस संक्षिप्त लेकिन तल्ख बयान के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। राजा भैया के बयान को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की राय सामने आ रही है। कुछ लोग उनके रुख का समर्थन कर रहे हैं, तो कुछ लोग इस बयान के पीछे के तर्क और उसके औचित्य पर सवाल उठा रहे हैं। उनके समर्थक इसे बेबाकी से अपनी बात रखने का अंदाज बता रहे हैं, जबकि अन्य लोग यूजीसी जैसे नीतिगत विषय पर विस्तृत चर्चा की जरूरत जता रहे हैं। दरअसल, यूजीसी से जुड़े नियम और प्रस्ताव उच्च शिक्षा, विश्वविद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों की व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। ऐसे में इस विषय पर किसी जनप्रतिनिधि की स्पष्ट टिप्पणी सामने आने से बहस का तेज होना स्वाभाविक है। राजा भैया के बयान ने एक बार फिर यूजीसी के मुद्दे को सार्वजनिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। गौरतलब है कि कुंडा में एक ओर बागेश्वर धाम सरकार की प्रस्तावित रामकथा को लेकर तैयारियां चल रही हैं, वहीं दूसरी ओर राजा भैया के यूजीसी संबंधी बयान ने राजनीतिक चचाओं को भी हवा दे दी है। फिलहाल सोशल मीडिया पर उनके बयान के समर्थन और विरोध में प्रतिक्रियाएं जारी हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि राजा भैया इस विषय पर आगे कोई विस्तृत प्रतिक्रिया देते हैं या नहीं।

सीलमपुर पुलिस ने ई-रिक्शा चालक की लूट का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

लूट के चार हजार रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल ई-रिक्शा बरामद

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी



नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर थाना पुलिस ने ई-रिक्शा में सवारी बैठाकर लूटपाट करने के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटे गए चार हजार रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल ग्रे रंग का ई-रिक्शा बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 30 वर्षीय फरमान पुत्र गुलजार, निवासी गौतम विहार, तीसरा पुश्ता, न्यू उस्मानपुर, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 13 नवंबर 2026 को मोहम्मद शहंशाह सीलमपुर स्थित गुरुद्वारे के पास टी-पॉइंट, जीटी रोड पर ई-रिक्शा में सफर कर रहे थे। इसी दौरान ई-रिक्शा चालक ने कथित तौर पर उन्हें धमकाकर पांच हजार रुपये नकद और करीब डेढ़ तोले की चांदी की चेन लूट ली। वारदात के बाद आरोपी ई-रिक्शा लेकर मौके से फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर सीलमपुर थाने में एफआईआर संख्या 419/26, दिनांक 13 नवंबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(6) में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी सीलमपुर सुशील कुमार की निगरानी और एसएचओ इंस्पेक्टर राम मनोहर मिश्रा के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम में एसआई सुधांशु, एसआई सतपाल, हेड कांस्टेबल नवनीश और हेड कांस्टेबल मनीष को शामिल किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। साथ ही भुगतान से जुड़े रिकॉर्ड भी खंगाले गए। शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए हुलिए और फुटेज के आधार पर पुलिस ने ग्रे रंग के फाइटर कंपनी के ई-रिक्शा की पहचान की। उसके पंजीकरण नंबर के अंतिम चार अंक 0328 मिले। इसके बाद ई-रिक्शा मालिक से जुड़े दस्तावेजों और भुगतान संबंधी जानकारियों की जांच की गई।

पुलिस के मुताबिक, जांच में सामने आया कि संदिग्ध ने संबंधित प्रतिष्ठान पर 50 रुपये का भुगतान किया था। इस सुराग के आधार पर पुलिस ने ई-रिक्शा का पूरा पंजीकरण नंबर डीएल-5ईआरबी-0328 पता लगाया। इसके बाद तकनीकी जांच के जरिए आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी गई। उसके मोबाइल नंबरों की लोकेशन खजूरी खास, मौजपुर रेड लाइट, बाबरपुर 100 फुट रोड, गोकुलपुरी, भागीरथी विहार और यमुना विहार सहित कई इलाकों में मिली। पुलिस टीम लगातार उसकी तलाश में जुटी रही और आखिरकार आरोपी को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी फरमान के कब्जे से लूटे गए चार हजार रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल किया गया ग्रे रंग का ई-रिक्शा भी जब्त कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस रिकॉर्ड की जांच में आरोपी के खिलाफ कोई पूर्व आपराधिक मामला सामने नहीं आया है। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है। पुलिस बरामदगी और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच के साथ यह भी पता लगाने में जुटी है कि वारदात में चांदी की चेन का क्या हुआ।

पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, हापुड़ के 20 निरीक्षकों का तबादला

मेरठ, बागपत और बुलंदशहर से 32 निरीक्षकों को मिली हापुड़ में तैनाती, कई थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र बदलेंगे

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। आगामी विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की तैयारियों के बीच पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। मेरठ जोन के पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने हापुड़ जनपद में तीन वर्ष से तैनात 20 निरीक्षकों का दूसरे जनपदों में तबादला कर दिया है। वहीं, बुलंदशहर, बागपत और मेरठ में तैनात 32 निरीक्षकों को हापुड़ में नई तैनाती दी गई है। इस फेरबदल के बाद जिले के कई थानों और महत्वपूर्ण शाखाओं में तैनात निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदलने तय हैं। पुलिस उपमहानिरीक्षक कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, हापुड़ में लंबे समय से तैनात निरीक्षकों को बुलंदशहर, मेरठ और बागपत भेजा गया है। यह कार्रवाई आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए की गई है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी एक स्थान पर लंबे समय से तैनात पुलिस अधिकारियों को बदलने की व्यवस्था के तहत यह फेरबदल किया गया है।

हापुड़ जनपद में तैनात निरीक्षक अवधेश कुमार माहौर, मनोज कुमार, शिवकुमार, राहुल कुमार, धीरज मलिक, सुरेश कुमार और अरविंद चौधरी को बुलंदशहर भेजा गया है। इसी तरह विनोद कुमार पांडेय, राजकिशोर, उपदेश कुमार, मनीष कुमार चौहान, मनु कुमारी, अशोक कुमार राघव और अखिलेश कुमार त्रिपाठी का तबादला मेरठ जनपद में किया गया है। इसके अलावा निरीक्षक नरेंद्र प्रसाद, सुधीर कुमार, अरुणा कुमारी राय, ओमप्रकाश सिंह, मुनीष प्रताप सिंह चौहान और चिदानंद प्रकाश को बागपत जनपद में नई तैनाती दी गई है। इस तरह हापुड़ में तैनात कुल 20 निरीक्षक दूसरे जनपदों में भेजे गए हैं। तबादला आदेश के तहत बुलंदशहर जनपद में तैनात निरीक्षक आसिफ अली, देवेंद्र, सलाउद्दीन, सतीश कुमार, जितेंद्र कुमार दुबे, नरेंद्र सिंह, ऋषिपाल, धर्मेंद्र सिंह राठौर, दिग्विजय नाथ शाही और मोहम्मद असलम को हापुड़ भेजा गया है।

बागपत जनपद से निरीक्षक अतर सिंह, संजय कुमार शर्मा, राकेश कुमार शर्मा, वीरेंद्र सिंह, रवेंद्र सिंह पलावत, मुकेश कुमार, तपेश्वर सागर, महेंद्र पाल और शैलेंद्र मुरारी दीक्षित को हापुड़ में तैनाती दी गई है। वहीं, मेरठ जनपद से निरीक्षक आनंद कुमार गौतम, सत्येंद्र कुमार, राजीव कुमार, ईलम सिंह, अजय पंवार, मोहन लाल, राजेश कुमार, देवेश कुमार, शत्रुघ्न यादव, रतनेश सिंह, राजकुमार, सीता कुमारी और कृष्णपाल सिंह को हापुड़ भेजा गया है। इस प्रकार तीन जनपदों से कुल 32 निरीक्षक हापुड़ आएंगे। तबादला सूची में हापुड़ के कई ऐसे निरीक्षकों के नाम शामिल हैं, जो वर्तमान में थानों और महत्वपूर्ण शाखाओं की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इनमें हापुड़ कोतवाली में तैनात सुरेश कुमार, सिंभावली थाना प्रभारी अरविंद चौधरी, साइबर अपराध थाना प्रभारी अखिलेश त्रिपाठी, पिलखुवा कोतवाली में तैनात मनोज बालियान और महिला थाना प्रभारी अरुणा राय शामिल हैं। इनके तबादले के बाद संबंधित थानों और शाखाओं में नई तैनाती की जाएगी। गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली में तैनात निरीक्षक देवेंद्र कुमार बिष्ट का पूर्व में नोएडा के लिए तबादला हो चुका है। यह फेरबदल केवल हापुड़ जनपद तक सीमित नहीं है। मेरठ परिक्षेत्र में भी बड़े स्तर पर तबादले किए गए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मेरठ में तैनात 58, बागपत के 24 और हापुड़ के 20 निरीक्षकों सहित कुल 102 निरीक्षकों के स्थानांतरण किए गए हैं। इस व्यापक बदलाव से तीनों जनपदों के पुलिस महकमे में नई तैनातियों का दौर शुरू होगा। पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने संबंधित जनपदों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं।

एंजेल इंटरनेशनल स्कूल के बाल मेले में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, विज्ञान मॉडल और खानपान के स्टॉल बने आकर्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता



पिलखुवा (हापुड़)। एंजेल इंटरनेशनल स्कूल में बाल दिवस के अवसर पर शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी और बाल मेले का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। इसमें नर्सरी से कक्षा 12 तक के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने अपनी रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच और व्यावहारिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न विज्ञान मॉडल, प्रोजेक्ट और चार्ट प्रस्तुत किए। वहीं, खानपान के आकर्षक स्टॉलों ने मेले में पहुंचे अभिभावकों और अतिथियों का ध्यान खींचा। विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने स्वयं तैयार किए गए मॉडल और प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए। बच्चों ने आगंतुकों को अपने मॉडल की कार्यप्रणाली समझाई और उनसे जुड़ी जानकारी साझा की। विद्यार्थियों का आत्मविश्वास और विषयों को समझाने का तरीका देखकर अभिभावकों ने उनके प्रयासों की सराहना की। प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों को अपनी कल्पनाओं को प्रयोग और मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

बाल मेले में खानपान के स्टॉल भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों ने गोलगप्पे, भेलपुरी, समोसे, चाट, झालमुड़ी और ढोकले सहित विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए। बच्चों ने स्वयं स्टॉलों का संचालन किया और ग्राहकों से बातचीत करने के साथ-साथ सामान की बिक्री तथा हिसाब-किताब संभालने का अनुभव प्राप्त किया। इस गतिविधि के जरिए उन्हें व्यवहारिक जीवन से जुड़ी सीख मिली और आपसी सहयोग की भावना को भी बढ़ावा मिला। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. हिमानी शर्मा ने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, जिज्ञासा और मिलकर काम करने की भावना विकसित होती है। पढ़ाई के साथ-साथ ऐसी गतिविधियां बच्चों की प्रतिभा को सामने लाने का अवसर देती हैं। विद्यालय प्रबंधक सौरभ गुप्ता ने कहा कि किताबी शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव भी आवश्यक है। ऐसे आयोजनों से बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने और नई चीजें सीखने का अवसर मिलता है। निदेशक आयुषी गुप्ता ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन रश्मि गोयल और सपना शर्मा के नेतृत्व में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों ने सहयोग दिया। उन्होंने मेले के दौरान व्यवस्थाओं, स्वच्छता और बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा।

कालाढूंगी में नारी शक्ति सम्मान समारोह, सीएम धामी ने 22 महिलाओं को किया सम्मानित

महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं, कालाढूंगी में मिनी स्टेडियम और अस्पताल के उच्चीकरण सहित 200 विद्युत पोल लगाने की घोषणा









वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजकीय इंटर कॉलेज मैदान, कालाढूंगी में आयोजित नारी शक्ति सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने खेल, शिक्षा, कृषि, स्वरोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 22 महिलाओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सम्मानित महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि मातृशक्ति की उपलब्धियां पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। यह आयोजन केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि महिलाओं के साहस, संघर्ष, परिश्रम और उनकी उपलब्धियों को नमन करने का अवसर है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 200 विद्युत पोल स्थापित करने, ग्राम गुजरौड़ा के नवाड़ तोक सैलानी में सड़क का नवनिर्माण कराने और कालाढूंगी में मिनी स्टेडियम बनाने की घोषणा की। इसके साथ ही गोडापड़ाव बाईपास मार्ग से ग्राम बजवालपुर-किशनपुर मार्ग का चौड़ीकरण, कालाढूंगी अस्पताल का उच्चीकरण तथा पर्यटन सत्र 2026-27 में कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 70 अतिरिक्त जिप्सियों का पंजीकरण कराने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। हमारी संस्कृति में कहा गया है कि 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः', अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। उन्होंने कहा कि नारी का वास्तविक सम्मान तभी संभव है, जब उसे समान अवसर मिलें, उसके निर्णयों को महत्व दिया जाए और वह आत्मनिर्भर बनकर अपने सपनों को साकार कर सके। जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार, समाज और राष्ट्र भी सशक्त बनता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की महिलाओं ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद परिवार, खेती, पशुपालन और सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पहाड़ की महिलाओं का संघर्ष और समर्पण प्रदेश की पहचान है। मुख्यमंत्री ने अपने बचपन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी माता को सीमित संसाधनों और अनेक कठिनाइयों के बीच परिवार की जिम्मेदारियां निभाते देखा है। उनकी माता का संघर्ष, अनुशासन और परिश्रम हमेशा उनके लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि पहाड़ की मातृशक्ति का मनोबल हिमालय से भी ऊंचा और मजबूत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में महिलाओं को सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण तथा सहकारी समितियों में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से 71 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों से पांच लाख से अधिक ग्रामीण महिलाएं जुड़ी हुई हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार अपना रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में योगदान दे रही हैं।

कांग्रेस सेवादल के कार्यवाहक जिला मुख्य संगठक बने दीपक पाठक

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल ने संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से मथुरा में नई जिम्मेदारी सौंपी है। कांग्रेस सेवादल के प्रदेश मुख्य संगठक डॉ. प्रमोद कुमार पाण्डेय ने मथुरा निवासी दीपक पाठक को कार्यवाहक जिला मुख्य संगठक नियुक्त किया है। 13 नवंबर को जारी नियुक्ति पत्र में दीपक पाठक को यह जिम्मेदारी सौंपते हुए उनसे संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से कार्य करने की अपेक्षा जताई गई है। नियुक्ति पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राष्ट्रीय मुख्य संगठक बीवी श्रीनिवास की भावनाओं के अनुरूप कांग्रेस सेवादल को गतिशील एवं सशक्त बनाने में योगदान देने की अपेक्षा की गई है। दीपक पाठक की नियुक्ति से स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है। उनसे जिले में कांग्रेस सेवादल के संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर बधाई देने वालों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप माथुर, प्रकाश शर्मा, कमल शर्मा, बंटी यादव, दुर्गेश बघेल, अनाम धन्य तिवारी, प्रवीण ठाकुर आदि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया।

यमुना प्रदूषण के खिलाफ पत्रकार दीपक सारस्वत ने होलीगेट पर किया एक दिवसीय मौन व्रत, सिटी मजिस्ट्रेट ने जूस पिलाकर समाप्त कराया मौन व्रत

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। यमुना प्रदूषण मुक्ति के नाम पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बावजूद यमुना की स्थिति में अपेक्षित सुधार न होने और लगातार नालों का गंदा पानी नदी में गिरने से व्यथित होकर पत्रकार दीपक सारस्वत ने शनिवार को मथुरा शहर के हृदयस्थल होली गेट के समीप तिरंगा चबूतरे पर एक दिवसीय मौन धरना एवं मौन व्रत रखा। इस दौरान उन्होंने यमुना शुद्धिकरण की मांग को लेकर अपने पांच प्रमुख मांगों को बैनर के माध्यम से प्रदर्शित कर शासन-प्रशासन और संबंधित विभागों का ध्यान आकर्षित किया। उनका उद्देश्य यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने के साथ-साथ शुद्धिकरण के नाम पर खर्च की गई धनराशि और अब तक किए गए कार्यों की जवाबदेही सुनिश्चित कराना रहा। शाम को लगभग 6 बजे सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र ने प्रशासन की तरफ से दीपक सारस्वत को जूस पिलाकर मौन व्रत को समाप्त कराया।

दीपक सारस्वत की प्रमुख मांगों में यमुना में गिरने वाले नालों पर तत्काल रोक, एसटीपी की जवाबदेही और पारदर्शिता, यमुना शुद्धिकरण पर श्वेत पत्र जारी करने, जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर कार्रवाई तथा यमुना को निर्मल और अविरल बनाने की ठोस कार्ययोजना आदि शामिल रहीं। दीपक सारस्वत ने कहा कि यमुना केवल एक नदी नहीं, बल्कि ब्रज की आस्था, संस्कृति और पहचान है। इसके बावजूद यदि वर्षों से योजनाओं और हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी यमुना प्रदूषण से मुक्त नहीं हो पा रही है, तो यह गंभीर चिंता और जवाबदेही का विषय है।

मौन धरने को स्थानीय लोगों, सामाजिक कार्यकताओं के साथ राजनीति से जुड़े लोगों का भी का समर्थन मिला। धरनास्थल पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पंडित यतेन्द्र मुकद्दम, गौ रक्षक पवन दुबे, एडवोकेट पंकज पंडित, नरेन्द्र भारद्वाज, रविकांत पाराशर, संजय पाराशर, संजय हरियाणा, दिनेश शर्मा, सुशील गोस्वामी, चंद्रमोहन दीक्षित, कृष्णा प्रजापति, मुरारी प्रजापति, दीपक पंडित, राजू पंडित, बृजवासी सेवा के संयोजक सुभाष बृजवासी, उमर कुरैशी, अजय शर्मा, मधुसूदन शर्मा, गुंजन खत्री आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सोलर लगवाने के लिए रिटायर्ड शिक्षक से 29500 रूपये की ठगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बखिरा थाना क्षेत्र के रमवापुर गांव निवासी एक रिटायर्ड शिक्षक से सोलर पैनल लगवाने के नाम पर एक द्वारा 29500 रुपए ठग लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। ठग ने शिक्षक के साथ जाकर बैंक से पैसे निकलवाए और साथ में घर आ रहा था।बीच में मौका देखकर फरार हो गया। इस मामले में पीड़ित ने बखिरा पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बखिरा पुलिस को दी गई तहरीर में पीड़ित शिक्षक सैयद अली पुत्र बुझारत अली ने लिखा है कि 12 नवंबर को एक अपरिचित व्यक्ति उनका नाम पूछते हुए उनके घर आया। उसने खुद को सहजनवा का रहने वाला बताया और कहा कि वह एक सोलर कंपनी में एरिया मैनेजर है।अनुदान के तहत सोलर पैनल लगेगा जिसके लिए आज ही 29500₹ अग्रिम भुगतान करना है क्योंकि आज ही अंतिम तारीख है। वह उसके साथ यू.पी. ग्रामीण बैंक भिटवा गए जहाँ कैश न होने पर स्टेट बैंक नंदौर गए। वहां से 30000 हजार रुपये निकलवाकर उसने 29500₹ ले लिया। उसके बाद साथ में उनके घर आने के लिए कहा। घर आते समय दुर्गजोत चौराहे के पास मौका देखकर वह लापता हो गया। उन्होंने काफी देर तक इंतजार किया लेकिन वह लौटकर नहीं आया। पीड़ित ने इस संबंध में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। इस तरह की घटनाओं को लेकर लोगों से अपील की जाती है कि सोलर पैनल या किसी सरकारी योजना का लाभ दिलाने के नाम पर किसी अनजान व्यक्ति को बिना सत्यापन के रुपये न दें। किसी भी योजना में भुगतान करने से पहले संबंधित विभाग या अधिकृत कंपनी से जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से मिलती है सफलता: कमरे आलम सिद्दीकी

पैरामाउंट करियर एकेडमी में स्टूडेंट इंटरेक्शन प्रोग्राम संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। पैरामाउंट करियर एकेडमी मुड़ाडीहा बेग में स्टूडेंट इंटरेक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमरे आलम सिद्दीकी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण बेहद जरूरी है। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में वही विद्यार्थी आगे बढ़ेंगे, जो समय का सही उपयोग करते हुए निरंतर सीखने का प्रयास करेंगे। विशिष्ट अतिथि मोहम्मद परवेज अख्तर ने कहा कि विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने के साथ उन्हें पूरा करने के लिए पूरी लगन से मेहनत करनी चाहिए। शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। संस्था के एमडी मोहम्मद अहमद ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि एकेडमी विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और उचित मार्गदर्शन देने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को नई दिशा और प्रेरणा मिलती है। इस दौरान शाहबाज अहमद, धीरेंद्र कुमार, तौकीर चौधरी, अरसलान, मेराज अहमद, समीर अहमद, वासुदेव गौतम, डॉ. जहूर, रामभेज, प्रदीप सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में खूनी संघर्ष, फायरिंग में दो लोगों की मौत, दो व्यक्ति घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मेंहदावल थाना क्षेत्र के जमोहरा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष और फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहदावल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान प्रहलाद यादव और रामकेश यादव ने दम तोड़ दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल राम सहाय और घनश्याम यादव को बेहतर उपचार के लिए गोरखपुर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, 15 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 2:20 बजे थाना मेंहदावल पर ग्राम प्रधान जमोहरा ने सूचना दी कि गांव के खेत में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया है। देखते ही देखते विवाद मारपीट और फायरिंग में बदल गया। घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहदावल भेजा गया। वहां उपचार के दौरान दो घायलों की मौत हो गई, जबकि अन्य दो की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें गोरखपुर रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस महकमे में भी हलचल मच गई। मामले में पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर संदीप कुमार मीना ने कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने के दृष्टिगत पांच पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में प्रभारी निरीक्षक थाना मेंहदावल राकेश सिंह, निरीक्षक अपराध ओमप्रकाश यादव, उपनिरीक्षक एवं हल्का प्रभारी योगेश राय, मुख्य आरक्षी मुरली मनोहर तथा आरक्षी अंकेश यादव शामिल हैं।

70 वर्षीय बुजुर्ग गार्ड को पीटकर अधमरा करने का आरोप, बेटे ने लगाई न्याय की गुहार

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। शहर के श्री गिरिराज गेस्ट भवन में कार्यरत 70 वर्षीय बुजुर्ग गार्ड के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि शराब पीने के लिए जगह देने से मना करने पर भूरा पहलवान नामक व्यक्ति ने बुजुर्ग के साथ गाली-गलौज करते हुए बेरहमी से मारपीट की। घटना के बाद पीड़ित के बेटे ने पुलिस अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार घटना 30 सितंबर की है। गेस्ट भवन में कार्यरत दतिया निवासी रामचरन पुत्र गिरिराज का आरोप है कि भूरा पहलवान पुत्र मटरुआ ने उनसे शराब पीने के लिए जगह देने को कहा। बुजुर्ग द्वारा मना करने पर आरोपी ने कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी मारपीट पर उतारू हो गया और बुजुर्ग को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। आरोप है कि बुजुर्ग रामचरन अपने बेटे सोनू को मदद के लिए बुलाते रहे, लेकिन आरोपी लगातार उनके साथ मारपीट करता रहा। घटना की जानकारी मिलने पर बेटे सोनू ने थाना हाईवे से लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा तक शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि थाना हाईवे पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद छोड़ दिया। पीड़ित परिवार का कहना है कि पूरी घटना गेस्ट भवन में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद है। इसके बावजूद अभी तक उन्हें न्याय नहीं मिला है। परिवार ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पीड़ित परिवार का कहना है कि बुजुर्ग की उम्र को देखते हुए उनके साथ हुई मारपीट गंभीर मामला है। परिवार ने घटना के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने और उसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका आग्रह है कि जांच में सभी उपलब्ध साक्ष्यों को शामिल किया जाए, ताकि घटना की वास्तविक स्थिति सामने आ सके और दोषी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में कांग्रेस ने फूंका एबीवीपी का पुतला

आरोपियों को फांसी देने की मांग, -भाजपा पर अपराधियों को संरक्षण देने का लगाया आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता



गरुड़ (बागेश्वर)। हल्द्वानी में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले को लेकर गरुड़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। रविवार को पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ऐतिहासिक गांधी चबूतरे पर एकत्र होकर एबीवीपी का पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देते हुए फांसी देने की मांग उठाई।इस दौरान पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण ने भाजपा पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न और हिंसा के मामलों में भाजपा से जुड़े लोगों के नाम सामने आना बेहद चिंताजनक है। ऐसे मामलों में किसी भी तरह का राजनीतिक संरक्षण बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नाबालिग के साथ हुआ यह कथित जघन्य अपराध समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है और दोषियों को कानून के तहत कठोरतम सजा मिलनी चाहिए। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र रावत ने कहा कि एबीवीपी के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी का नाम इस मामले में सामने आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र बिष्ट ने कहा कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा तथा सम्मान के लिए कांग्रेस हमेशा संघर्ष करती रहेगी।

उन्होंने कहा कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस सड़क से लेकर संसद तक आवाज उठाएगी।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की।इस अवसर पर लक्ष्मण आर्य, प्रकाश कोहली, हरीश रावत, दिग्विजय फर्स्वाण, हेम वर्मा, भोला तिवारी, दीपक कोहली, नरेंद्र कुमार, गिरीश तिवारी, विशाल फर्स्वाण, अंजलि बिष्ट, अमीषा टम्टा, मुस्कान, पूजा और हिमानी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अड़ींग पुलिस ने मोबाइल चोर को दबोचा, चोरी का मोबाइल बरामद कर भेजा जेल

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/गोवर्धन। थाना गोवर्धन की अड़ींग पुलिस चौकी ने मोबाइल चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी सुभाष चंद पुत्र रघुवीर, निवासी धनिया नगला रामसिंह, थाना मगोर्रा का रहने वाला है। आरोपी अड़ींग बाजार से एक मोबाइल फोन चोरी कर ले गया था। मामले की जानकारी मिलने के बाद अड़ींग पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस टीम ने मथुरा-गोवर्धन मार्ग पर अड़ींग बगीची के समीप घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद हुआ। इस कार्रवाई में अड़ींग चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल मानवेन्द्र, रामसुंदर, कांस्टेबल अमित और सुशील सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया ने बताया कि अड़ींग बाजार से मोबाइल चोरी की शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मथुरा-गोवर्धन मार्ग स्थित अड़ींग बगीची के समीप गिरफ्तार कर चोरी का मोबाइल बरामद कर लिया। अपराध और अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

मथुरा में दो ट्रकों की भीषण भिड़ंत: पीछे से मारी जोरदार टक्कर, 19 वर्षीय युवक की मौके पर मौत

मथुरा। थाना मगोर्रा क्षेत्र में रविवार तड़के करीब चार बजे जाजमपट्टी के पास दो ट्रकों की भिड़ंत में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब दोनों ट्रक भरतपुर की ओर जा रहे थे। पीछे से आए एक ट्रक ने आगे चल रहे ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, ट्रक तेलंगाना के हैदराबाद निवासी ताहिर राशिद पुत्र रशीद चला रहा था। इसमें सवार पश्चिम बंगाल निवासी सुभा पोहिया (19) पुत्र जगन पोहिया की हादसे में मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरा ट्रक मुरादाबाद से राजस्थान जा रहा था, जिसे बिलारी मुरादाबाद निवासी शोभित पुत्र बृजपाल चला रहा था।बताया गया है कि जाजमपट्टी के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने आगे चल रहे ट्रक में टक्कर मार दी। हादसे में युवक की जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और आवश्यक कार्रवाई में जुट गई।

आग से तबाह हुआ घर, मुश्किल में परिवार; मदद के लिए आगे आए राजकुमार 'राजू'

आर्थिक सहयोग के साथ पीड़ितों को दिया संबल, आगे भी मदद का भरोसा

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। विधान सभा क्षेत्र पूरनपुर के ग्राम नगरिया टांडा में आग लगने से एक परिवार को हुए भारी नुकसान की जानकारी मिलने पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार 'राजू' पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे। उन्होंने अग्निकांड से प्रभावित रामपाल कुशवाह पुत्र सेवाराम के घर जाकर परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उनकी परेशानी को करीब से जाना।इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग प्रदान कर हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।बताया गया कि रामपाल कुशवाह के घर में अचानक आग लगने से परिवार को भारी नुकसान उठाना पड़ा। आग की घटना ने परिवार की खुशियों को मुश्किलों में बदल दिया और उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर सपा नेता राजकुमार ह्यराजूह्न ने गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार का हाल जाना। उन्होंने आग लगने से हुए नुकसान के संबंध में जानकारी ली और परिवार के सदस्यों को ढांढस बंधाते हुए इस कठिन समय में हिम्मत बनाए रखने की बात कही। इस मौके पर राजकुमार 'राजू' ने अपनी ओर से आर्थिक सहायता देते हुए कहा कि संकट की घड़ी में जरूरतमंदों के साथ खड़ा होना ही सच्ची इंसानियत और सामाजिक जिम्मेदारी है। किसी परिवार पर मुसीबत आती है तो उसका दर्द समझना और यथासंभव मदद के लिए आगे आना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पीड़ित परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और जरूरत पड़ने पर आगे भी हरसंभव सहयोग किया जाएगा।सपा नेता ने प्रशासन से भी मांग की कि अग्निकांड में हुए नुकसान का निष्पक्ष आकलन कराकर पीड़ित परिवार को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, जिससे परिवार को दोबारा सामान्य जीवन शुरू करने में राहत मिल सके। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी पीड़ित परिवार की मदद के लिए आगे आने की अपील की।इस दौरान क्षेत्र के समाजवादी कार्यकर्ता, ग्रामीण और स्थानीय लोग मौजूद रहे। सभी ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

18 वर्ष पूरे कर चुके युवा मतदाता सूची में दर्ज कराएं नाम

धुंधरी में बैठक कर एसडीएम ने जनगणना और मतदाता पुनरीक्षण की दी जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता



अमरिया/पीलीभीत। जनगणना 2027 और मतदाता सूची को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार दोपहर अमरिया विकासखंड की ग्राम पंचायत धुंधरी में उपजिलाधिकारी मंधाता प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों को जनगणना के द्वितीय चरण और मतदाता सूची से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम मंधाता प्रताप सिंह ने बताया कि 16 नवंबर से जनगणना की प्रक्रिया शुरू होनी है। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जनगणना से जुड़े कार्यों को पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ संपन्न कराएं। साथ ही ग्रामीणों से अपील की कि जनगणना के दौरान कर्मचारियों को सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे आंकड़ों के संकलन में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। एसडीएम ने मतदाता सूची को लेकर भी ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में दर्ज नाम, पता और अन्य विवरणों में किसी प्रकार की गलती होने पर उसे समय रहते ठीक करा लें। इसके अलावा जिन युवाओं ने 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना आवश्यक है, ताकि कोई भी व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित न रहे।उन्होंने ग्रामीणों से जनगणना और मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों में प्रशासन का सहयोग करने तथा कर्मचारियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। बैठक में हल्का लेखपाल संजय शर्मा, ग्राम प्रशासक इंद्रपाल वर्मा, ग्राम रोजगार सेवक प्रेमशंकर, पंचायत सहायक गीता देवी, सफाईकर्मी हरीश, ब्रजलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

श्रद्धा और उल्लास के साथ व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

शिवचरण पोखरे पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, नगर अध्यक्ष की ओर से किए गए विशेष इंतजाम

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी



बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। लोक आस्था के महापर्व डाला छठ के अवसर पर रविवार को नगर पंचायत बिस्कोहर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और संतान की दीघार्यु की कामना को लेकर महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा। शाम को व्रती महिलाओं ने मंगल बाजार स्थित रामजानकी दुर्गा धाम मंदिर के शिवचरण पोखरे पर पहुंचकर अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। छठ पर्व को लेकर सुबह से ही घरों में तैयारियां शुरू हो गई थीं। शाम होते ही व्रती महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में पूजा सामग्री, फल, फूल और प्रसाद से सजे बांस के सूप व दउरा लेकर घाट पर पहुंचने लगीं। पोखरे के किनारे महिलाओं ने वेदी सजाकर छठी मइया की पूजा की। सूर्यास्त के समय पानी में खड़े होकर व्रती महिलाओं ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख-शांति, समृद्धि तथा संतान की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस दौरान छठी मइया के पारंपरिक गीतों से घाट का वातावरण भक्तिमय बना रहा। पूजा के दौरान घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। नगर अध्यक्ष अजय गुप्ता की ओर से रामजानकी दुर्गा धाम मंदिर परिसर और शिवचरण पोखरे पर व्रती महिलाओं के बैठने और ठहरने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बिस्कोहर पुलिस चौकी के जवान मुस्तैद रहे। नगर अध्यक्ष की टीम के अनूप पांडेय, पिंकू मोदनवाल , रोहित कसौधन और कन्हैया वरुण सहित अन्य लोग व्यवस्था में जुटे रहे।

रोमांचक फाइनल में बहराइच ने गोला को 2-1 से हराया, ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल दागकर बहराइच की टीम बनी चैंपियन, विजेता को 30 हजार और उपविजेता को मिले 15 हजार रुपये

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। विवेकानंद स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में आयोजित मैत्री फुटबॉल फेस्टिवल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेल प्रेमियों के लिए यादगार बन गया। गोला और बहराइच की टीमों के बीच खेले गए खिताबी मुकाबले में खिलाड़ियों ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहने के बाद अतिरिक्त समय में बहराइच की टीम ने निर्णायक गोल दागकर 2-1 से जीत दर्ज की और विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।फाइनल मुकाबले में शुरूआत से ही दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच गेंद पर नियंत्रण बनाने और गोल करने की होड़ दिखाई दी। मैदान पर उतरते ही गोला और बहराइच के खिलाड़ियों ने आक्रामक अंदाज में खेलना शुरू किया। दोनों ओर से तेजी के साथ हमले किए गए। खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल, फुर्ती और खेल कौशल का परिचय देते हुए एक-दूसरे की रक्षापंक्ति को भेदने का प्रयास किया। पहले हाफ में दोनों टीमों की ओर से एक-एक गोल किया गया, जिसके चलते मुकाबला 1-1 की बराबरी पर पहुंच गया।दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष जारी रहा। गोला की टीम ने बढ़त बनाने के लिए कई अच्छे प्रयास किए तो बहराइच के खिलाड़ियों ने भी जवाबी हमलों से दबाव बनाए रखा। दोनों टीमों के गोलकीपर और रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों ने कई मौकों पर विपक्षी टीम के हमलों को नाकाम किया। निर्धारित समय समाप्त होने तक कोई भी टीम निर्णायक बढ़त हासिल नहीं कर सकी। इसके बाद मुकाबले का फैसला करने के लिए अतिरिक्त समय का सहारा लिया गया।अतिरिक्त समय में बहराइच की टीम ने बेहतर तालमेल और रणनीति का प्रदर्शन करते हुए एक और गोल दाग दिया। इस निर्णायक गोल के साथ ही मैदान पर मौजूद दर्शकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। अंतिम सीटी बजते ही बहराइच के खिलाड़ियों ने जीत का जश्न मनाया। इस तरह बहराइच की टीम ने 2-1 से फाइनल जीतकर टूर्नामेंट की चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, जबकि गोला की टीम को उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा।मुकाबला समाप्त होने के बाद आयोजन समिति की ओर से पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें विजेता बहराइच की टीम को 30 हजार रुपये नकद और शानदार ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं उपविजेता गोला की टीम को 15 हजार रुपये नकद पुरस्कार और ट्रॉफी प्रदान की गई।आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और क्षेत्रीय स्तर पर छिपी फुटबॉल प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना तथा युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना है। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। फाइनल मुकाबले को देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। दर्शकों ने अंत तक मैदान में बने रहकर दोनों टीमों का उत्साहवर्धन किया। रोमांचक फाइनल के साथ टूर्नामेंट का समापन हुआ।

नन्हे मेहमानों के स्वागत में आगे आया नारी शक्ति क्लब

जच्चा माताओं के चेहरे पर मुस्कान, जरूरतमंद परिवार को मिली 11 हजार की मदद

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। मानवता की सेवा, मातृत्व के सम्मान और जरूरतमंदों की मदद का संकल्प लेकर नारी शक्ति क्लब पूरनपुर की महिलाओं ने एक सराहनीय पहल की। क्लब की सदस्यों ने सरकारी अस्पताल पहुंचकर भर्ती नवजात शिशुओं और उनकी माताओं को उपहार भेंट किए। इस दौरान नवजात बच्चों के लिए नन्हें वस्त्र, जच्चा माताओं के लिए कैप और मोजे तथा मिठाई वितरित की गई। महिलाओं की इस पहल से अस्पताल में खुशी और अपनत्व का माहौल देखने को मिला। नवजात शिशुओं की माताओं के चेहरों पर मुस्कान बिखर गई।क्लब की सदस्यों ने प्रत्येक जच्चा मां से आत्मीयता के साथ मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मातृत्व के इस विशेष अवसर पर महिलाओं को यह एहसास कराया कि समाज उनके साथ खड़ा है। नवजात बच्चों के लिए लाए गए छोटे-छोटे वस्त्र और माताओं के लिए उपयोगी सामान पाकर परिजनों ने भी क्लब की सदस्यों का आभार जताया। यह पहल केवल वस्त्र वितरण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसके माध्यम से माताओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सामाजिक सहयोग का संदेश भी दिया गया। इस सेवा अभियान के दौरान नारी शक्ति क्लब ने आर्थिक रूप से जरूरतमंद एक परिवार की भी मदद की। क्लब की महिलाओं ने परिवार को 11 हजार रुपये की नकद आर्थिक सहायता प्रदान की। इसके साथ ही परिवार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जरूरी सामान भी उपलब्ध कराया। आर्थिक सहायता और दैनिक उपयोग की वस्तुएं पाकर जरूरतमंद परिवार को बड़ी राहत मिली। कार्यक्रम में क्लब की वरिष्ठ एवं पूर्व अध्यक्ष सविता खंडेलवाल, वर्तमान अध्यक्ष प्रभा गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुधा गुप्ता और सचिव डॉ. नीता सुशील अग्रवाल सहित क्लब की अन्य सदस्य मौजूद रहीं। सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी बताते हुए भविष्य में भी इसी तरह जरूरतमंदों की सहायता जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।नारी शक्ति क्लब की इस पहल की अस्पताल प्रशासन ने भी सराहना की। महिलाओं के इस प्रयास ने यह संदेश दिया कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए बड़े संसाधनों से ज्यादा संवेदनशील सोच और सेवा का भाव जरूरी है। मातृत्व के सम्मान से लेकर जरूरतमंद परिवार की मदद तक, क्लब की इस पहल ने नारी शक्ति के सेवा, सहयोग और समर्पण वाले स्वरूप को उजागर किया।

स्थानांतरित चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही को दी गई भावभीनी विदाई, नए प्रभारी सुरेश यादव का स्वागत



वेलकम इंडिया संवाददाता

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी बिस्कोहर के चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही का स्थानांतरण जनपद के शिवनगर डीडई थाने में होने पर रविवार को चौकी परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य लोगों और समाजसेवियों ने उन्हें फूल-मालाओं और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानपूर्वक विदाई दी। वहीं, चौकी पर नवनियुक्त प्रभारी सुरेश यादव का भी फूल-माला पहनाकर स्वागत किया गया। समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी सुधीर त्रिपाठी, देवेन्द्र प्रताप सिंह, मोना पांडेय और प्रभात जायसवाल ने अमित कुमार शाही के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनका सरल स्वभाव, व्यवहार कुशलता और कर्तव्यनिष्ठा हमेशा याद रहेगी। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने आमजन के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखा और लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस अवसर पर लेखपाल पन्नालाल यादव, संजय सिंह, सुरेश पांडेय, मोहम्मद आरिफ, सुरेश पांडेय, डॉ. खुर्शीद अहमद, तीरथ सिंह, बदरू, शाहिद अख्तर खान, निपेंद्र सिंह, पूर्व प्रधान रशीद शाह, एजाज शाह, अताउल्ला सिद्दीकी, सलीम राईनी, शाहिद, रवि सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गोरा मे प्रधान और सचिव की पहल से गांव में सुधरी सफाई व्यवस्था

मदरसे के पास जलभराव की समस्या दूर, राहगीरों और बच्चों को मिली राहत

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। गांव में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सचिव की ओर से आवश्यक कदम उठाए गए हैं। गांव स्थित मदरसा जियाउल उलूम के पास मुख्य सड़क पर गंदा पानी बहने की समस्या सामने आने पर जिम्मेदारों ने इसका संज्ञान लेते हुए नालियों की सफाई कराई। सफाई कार्य पूरा होने के बाद सड़क पर बह रहे गंदे पानी की समस्या दूर हो गई है। इससे ग्रामीणों और मदरसे में आने-जाने वाले बच्चों को काफी राहत मिली है।बताया जाता है कि पिछले कई दिनों से मदरसा जियाउल उलूम के पास नालियां चोक होने के कारण गंदा पानी सड़क पर बह रहा था। इसके चलते राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं मदरसे में पढ़ने वाले छोटे बच्चों को भी इसी रास्ते से होकर गुजरना पड़ता था। समस्या की जानकारी मिलने पर ग्राम पंचायत स्तर से सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कराने की पहल की गई।ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव के प्रयास से संबंधित स्थान पर नालियों की सफाई कराई गई और पानी की निकासी सुचारु कराई गई। सफाई होने के बाद सड़क पर जमा गंदा पानी हट गया और आवागमन पहले की तरह सामान्य हो गया।ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों का कहना है कि गांव में साफ-सफाई और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। जहां भी इस तरह की समस्या सामने आएगी, वहां आवश्यकतानुसार सफाई कराकर ग्रामीणों को राहत दिलाई जाएगी। साथ ही सफाई व्यवस्था पर लगातार ध्यान दिया जाएगा, ताकि लोगों को गंदगी और जलभराव जैसी परेशानियों का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने भी सफाई कार्य होने पर राहत जताई है।

ट्रक की टक्कर से तीन युवक घायल, उपचार के दौरान एक की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से घायल हुए तीन युवकों में से एक की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब तीनों युवक सड़क किनारे खराब मोटरसाइकिल को ठीक कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।बरेली जनपद के नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव टांडा मजरा परोथी निवासी मुन्नालाल का 22 वर्षीय पुत्र सचिन अपने साथी तीरथ सिंह और केसर के साथ नौ नवंबर की रात करीब आठ बजे मोटरसाइकिल से नानकमत्ता जा रहा था। रास्ते में अमरिया थाना क्षेत्र के गांव फरदिया माधौपुर स्थित पुलिया के पास अचानक उनकी मोटरसाइकिल खराब हो गई। इसके बाद तीनों युवक सड़क किनारे खड़े होकर मोटरसाइकिल ठीक करने लगे।इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आए ट्रक ने सड़क किनारे खड़े तीनों युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को अमरिया के सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

वहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को बेहतर उपचार के लिए बरेली रेफर कर दिया गया।बरेली में उपचार के दौरान 22 वर्षीय सचिन ने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। जवान बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।मृतक के पिता मुन्नालाल की तहरीर पर अमरिया पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर मांगी सुख-समृद्धि



वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। छठ महापर्व पर रविवार शाम शहर के जमुआर घाट पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सिर पर पूजन सामग्री से भरे डाले लेकर पहुंचीं व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। रंगीन रोशनी से सजे घाट पर छठ गीतों और भक्ति संगीत से माहौल भक्तिमय बना रहा। व्रतियों ने संतान की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। दोपहर बाद से ही जमुआर घाट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। शाम तीन बजे तक बड़ी संख्या में व्रती महिलाएं और उनके परिजन घाट पर पहुंच गए। कई परिवार बैंड-बाजे के साथ छठ घाट आए। महिलाएं गन्ना, नारियल, केला, सेब, पपीता और अनार सहित विभिन्न पूजन सामग्री से सजे डाले लेकर नंगे पांव घाट पहुंचीं। वहां अपनी वेदियों की सफाई कर पूजन सामग्री सजाई। इसके बाद छठी मइया की पूजा-अर्चना कर भगवान भास्कर के अस्त होने की प्रतीक्षा करने लगीं। सूर्यास्त के समय व्रती महिलाएं पूजन सामग्री लेकर पानी में खड़ी हुईं और भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान पुराने पुल से पुष्पवर्षा भी की गई। छठी मइया के पारंपरिक गीतों के बीच श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती महिलाएं अपना व्रत पूरा करेंगी। शहर के अलावा बांसी, डुमरियागंज, शोहरतगढ़ और इटवा सहित जिले के विभिन्न कस्बों और गांवों में भी छठ पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। घाटों पर बैरिकेडिंग, पुलिस बल और कैमरों से निगरानी की व्यवस्था रही।

राहगीरों से मोबाइल छीनने वाले सात आरोपी गिरफ्तार, 12 मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिल हुई बरामद

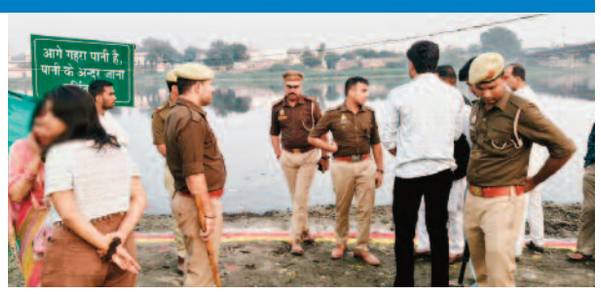
वेलकम इंडिया/मयूर खान



आगरा। राह चलते लोगों से मोबाइल फोन छीनने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए आगरा पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में थाना शाहगंज पुलिस ने मोबाइल छिनैती की वारदातों में कथित रूप से शामिल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से कुल 12 मोबाइल फोन और वारदातों में इस्तेमाल की जाने वाली दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। बरामद मोबाइल फोन में से आठ को छिनैती की घटनाओं से संबंधित बताया गया है। पुलिस कमिश्नर, आगरा के निर्देशन में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना शाहगंज पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों पर शहर के विभिन्न स्थानों पर राहगीरों को निशाना बनाकर उनके मोबाइल फोन छीनने का आरोप है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामद 12 मोबाइल फोन को कब्जे में लेकर उनकी जांच शुरू कर दी है। इनमें आठ मोबाइल फोन को पूर्व में हुई छिनैती की घटनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके अलावा पुलिस ने वारदातों में इस्तेमाल की जाने वाली दो मोटरसाइकिल भी बरामद की हैं। आशंका है कि आरोपी मोटरसाइकिलों के जरिए राहगीरों को निशाना बनाकर मौके से फरार हो जाते थे। सात आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब बरामद मोबाइल फोन के आधार पर उनसे जुड़ी अन्य घटनाओं की जानकारी जुटा रही है। मोबाइल फोन के मालिकों और संबंधित शिकायतों का मिलान किया जा रहा है, ताकि पूर्व में दर्ज छिनैती के मामलों का भी खुलासा किया जा सके। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से मोबाइल छिनैती की घटनाओं की जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य संभावित मामलों की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई को शहर में मोबाइल छिनैती की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों और बाजारों में राहगीरों के मोबाइल फोन छीनकर भागने की घटनाओं से लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है। ऐसे मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाना भी जरूरी है। पुलिस बरामदगी से जुड़े दस्तावेजों और शिकायतों का मिलान कर रही है। साथ ही लोगों से अपील है कि रास्ते में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते समय सतर्क रहें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

छठ पर्व को लेकर हाथीघाट पर पुलिस का सुरक्षा निरीक्षण, एसीपी ने दिए सतर्कता के दिशा निर्देश

वेलकम इंडिया/मयूर खान



आगरा। छठ पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आगरा पुलिस ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इसी क्रम में रविवार, 15 नवंबर 2026 को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) हरीपर्वत बजरंग प्रसाद ने थाना छत्ता क्षेत्र के हाथीघाट स्थित यमुना आरती स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट पर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसीपी ने घाट पर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधों और कानून-व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधा पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सतर्कता बरती जाएगी। निरीक्षण का उद्देश्य घाट पर व्यवस्थाओं का जायजा लेना और यह सुनिश्चित करना रहा कि छठ पर्व शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो।

खुर्जा में पुलिस की मुठभेड़, युवती पर चाकू से हमला करने का आरोपी गोली लगने से घायल

तमंचा, कारतूस और वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद, अस्पताल में कराया भर्ती

वेलकम इंडिया संवाददाता



बुलंदशहर। खुर्जा नगर थाना क्षेत्र में युवती पर चाकू से हमला कर घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपी असद को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, 14 नवंबर को आरोपी ने एक युवती पर चाकू से हमला किया था। मामले में खुर्जा नगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। चाकू बरामदगी के लिए पुलिस टीम आरोपी की निशानदेही पर झमका बंबा के पास पहुंची, जहां आरोपी ने छिपाए गए तमंचे से पुलिस पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। पुलिस की आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लग गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान असद पुत्र ताहिर निवासी लखावटी मिजार्पुर, थाना खुर्जा देहात के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा, दो खोखा कारतूस और घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डॉ. राजकुमारी के काव्य संग्रह 'कोई नहीं डरता तुम्हारे ईश्वर से' का भव्य विमोचन

आर्यभट्ट कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के दौरान वरिष्ठ साहित्यकारों और शिक्षाविदों ने किया लोकार्पण, साहित्यिक योगदान की सराहना

वेलकम इंडिया संवाददाता



नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट कॉलेज में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के दौरान हिंदी की चर्चित लेखिका एवं शिक्षाविद् डॉ. राजकुमारी के नए काव्य संग्रह ह्यकोई नहीं डरता तुम्हारे ईश्वर सेह्ण का विमोचन किया गया। साहित्यिक और अकादमिक जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति में हुए इस लोकार्पण समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षाविद्, साहित्यकार, शोधार्थी और विद्यार्थी शामिल हुए। इस अवसर पर वक्ताओं ने डॉ. राजकुमारी की साहित्यिक यात्रा और उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति की सराहना की। डॉ. राजकुमारी दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य) के हिंदी विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। शिक्षण के साथ-साथ उन्होंने साहित्य लेखन, समीक्षा और आलोचना के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। वे उपन्यासकार, समीक्षक, आलोचक और बेबाक वक्ता के रूप में समकालीन साहित्य जगत में सक्रिय हैं। उनके दो चर्चित उपन्यासों ने उन्हें एक सशक्त साहित्यिक हस्ताक्षर के रूप में स्थापित किया है। उनका नया काव्य संग्रह राजस्थान के देवसाक्षी पब्लिकेशन से प्रकाशित हुआ है। आर्यभट्ट कॉलेज में प्रो. बलराज सिंहमार के आयोजन में हुए अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. राजकुमारी वक्ता के रूप में भी शामिल हुईं। इसी अवसर पर उनके काव्य संग्रह का लोकार्पण वरिष्ठ लेखक जयप्रकाश कर्दम, प्रो. बलराज (आर्यभट्ट कॉलेज), प्रो. अशोक कुमार एवं प्रो. संदीप (मोतीलाल कॉलेज), डॉ. शिव पूजन पाठक, डॉ. रवि (आर्यभट्ट कॉलेज), प्रो. प्रमोद मेहरा, डॉ. हेमलता, डॉ. रुचिका, सुनीता और पिंकी सिंघल सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया गया। काव्य संग्रह के शीर्षक 'कोई नहीं डरता तुम्हारे ईश्वर से' ने भी साहित्यिक चर्चा के बीच अपनी विशिष्ट उपस्थिति दर्ज कराई। विमोचन समारोह में मौजूद साहित्यकारों और शिक्षाविदों ने डॉ. राजकुमारी को नई पुस्तक के प्रकाशन पर बधाई दी। उन्होंने उनके लेखन और साहित्य के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि उनका यह नया संग्रह पाठकों के बीच विचार और संवेदना के स्तर पर संवाद स्थापित करेगा। कार्यक्रम में शोधार्थी रवि अहिरवार तथा विद्यार्थी देवी, गीता, खुशबू और रोहन सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. राजकुमारी को उनकी नई साहित्यिक कृति के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल साहित्यिक भविष्य की कामना की।

आईसीएल चेयरमैन आरके गोला की मुश्किलें फिर बढ़ीं, पांच नए मुकदमों में लाखों की देनदारी और धमकी के आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। निवेश के नाम पर लोगों से रकम जमा कराने वाली आईसीएल कंपनी का विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। कंपनी के चेयरमैन रूप किशोर गोला उर्फ आरके गोला के खिलाफ पांच और मुकदमों का मामला सामने आया है। इन शिकायतों में पांच निवेशकों की मैच्योरिटी पूरी होने के बावजूद रकम वापस नहीं करने, भुगतान के नाम पर लगातार चक्कर लगवाने और पुराना पैसा लौटाने के बदले दूसरी कंपनी में निवेश कराने का दबाव बनाने के आरोप लगाए गए हैं। इन मामलों में बदायूं के कछला पुख्ता निवासी नरेंद्र सिंह ने निवेशकों की ओर से अधिवक्ता हरीश चंद्र के माध्यम से अदालत का दरवाजा खटखटाया है। शिकायतों में आरके गोला के साथ कंपनी के निदेशकों और प्रबंधन से जुड़े अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। शिकायत में पांच निवेशकों की अलग-अलग पॉलिसियों का विवरण दिया गया है। आरोपों के मुताबिक संतोष कुमारी ने आरडी में 36 हजार रुपये जमा किए थे, जिनकी मैच्योरिटी पर 72,982 रुपये मिलने थे। नेमपाल सिंह ने पांच साल की एफडी में 1.10 लाख रुपये लगाए थे, जिनके बदले 2,03,550 रुपये मिलने का दावा था। अमर सिंह की 50 हजार रुपये की एफडी पर 1,01,364 रुपये, सूबेदार के 30 हजार रुपये के निवेश पर 50,505 रुपये और सुनीता देवी की 85 हजार रुपये की एफडी पर 1,57,289 रुपये मिलने थे। शिकायतकर्ता के अनुसार पांचों निवेशकों का कुल करीब 5.85 लाख रुपये भुगतान बकाया है। आरोप है कि मैच्योरिटी पूरी होने के बाद भी निवेशकों को उनकी रकम नहीं मिली।

पुराना पैसा मांगने पर दूसरी कंपनी में निवेश की शर्त का आरोप

नरेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि निवेशकों की रकम वापस मांगने पर पहले कंपनी की ओर से आर्थिक तंगी का हवाला देकर भुगतान टाला जाता रहा। बाद में कंपनी के कार्यालय पहुंचने पर पता चला कि आईसीएल



का कामकाज अब अकील अहमद, श्रीराम, पुष्पेंद्र और अमित शर्मा समेत कुछ अन्य लोग देख रहे हैं। शिकायत के अनुसार निवेशकों को उनकी पुरानी जमा पूंजी लौटाने के बजाय आईसीएल फैमिली कंपनी लिमिटेड में नया निवेश कराने की बात कही गई। आरोप है कि नई कंपनी में पैसा लाने पर ही पुरानी रकम का भुगतान करने का भरोसा दिया जा रहा था।

मुकदमेबाजी बंद नहीं करने पर जान से मारने की धमकी का आरोप

मामले में एक और गंभीर आरोप सामने आया है। नरेंद्र सिंह के मुताबिक चार अक्टूबर को बदायूं के कछला चौराहे पर ओमवीर कश्यप, दीपमाला सक्सेना और मोहित कुमार सक्सेना ने उन्हें घेर लिया था। आरोप है कि आईसीएल और आरके गोला के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की पैरवी बंद नहीं करने पर उन्हें जान से मारने और शव कछला नदी में बहाने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता ने अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

2023 की गिरफ्तारी के बाद भी जारी हैं शिकायतों का सिलसिला

आईसीएल कंपनी का विवाद नया नहीं है। मई 2023 में कंपनी चेयरमैन आरके गोला की गिरफ्तारी हुई थी। उस समय पुलिस ने हजारों निवेशकों से करीब 10 करोड़ रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आने की जानकारी दी थी। इसके बाद भी अलग-अलग जिलों से निवेशकों की शिकायतें सामने आती रहीं। नरेंद्र सिंह की शिकायतों पर नवंबर में भी कई मुकदमे दर्ज होने की खबरें प्रकाशित हुई थीं। अब पांच और मामलों के सामने आने से कंपनी के खिलाफ शिकायतों का दायरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। पहले दर्ज मामलों पर एसपी सिटी चिराग जैन ने नए मुकदमे दर्ज किए जाने और गिरफ्तारी योग्य धाराएं सामने आने पर कार्रवाई की बात कही थी। अब नए मामलों में लगाए गए आरोपों की जांच और कानूनी कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन निवेशकों ने अपनी मेहनत की कमाई भविष्य की जरूरतों के लिए जमा की थी, उन्हें आखिर कब तक भुगतान का इंतजार करना पड़ेगा? पुरानी रकम लौटाने के बजाय नई कंपनी में निवेश का कथित दबाव और शिकायतकर्ता को धमकी देने के आरोप इस पूरे प्रकरण को और गंभीर बनाते हैं।

नोटः खबर में दर्ज वित्तीय अनियमितताओं, धमकी और भुगतान संबंधी बातें शिकायतकताओं के आरोपों पर आधारित हैं। आरोपों की पुष्टि न्यायिक एवं पुलिस जांच के बाद होगी।

छिनैती करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार, छीनी गई स्कूटी और मोबाइल बरामद



वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। आगरा पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एत्मादपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। संयुक्त पुलिस टीम ने छिनैती की वारदातों में शामिल तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, थाना एत्मादपुर, साइबर ऑपरेशन/काउंटर इंटेलीजेंस, साइबर/सर्विलांस और एसओजी (पश्चिमी जोन) की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से छीनी गई एक स्कूटी और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। इसके अलावा आरोपियों के पास से 315 बोर के दो तमंचे, चार जिंदा कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। पुलिस की इस कार्रवाई को छिनैती की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। मामले में सहायक पुलिस आयुक्त एत्मादपुर देवेश सिंह ने गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में जानकारी दी।

शाहजहांपुर में चौपाल पर सजी प्रतिभाओं के सम्मान की महफिल

स्वतंत्रता सेनानी बाबू जी इल्हाम उल्ला खान की स्मृति में हुआ समारोह, मेधावियों के साथ बुजुर्गों, खिलाड़ियों और साहित्यकारों का भी हुआ

जाकिर तुर्क/वेलकम इंडिया





मेरठ। समाज की असली पहचान उसकी इमारतों और दौलत से नहीं, बल्कि उसकी शिक्षित पीढ़ी, काबिल प्रतिभाओं और बुजुर्गों के सम्मान से होती है। इसी सामाजिक संदेश के साथ नगर पंचायत शाहजहांपुर स्थित बाबू जी की चौपाल पर स्वतंत्रता सेनानी बाबू जी इल्हाम उल्ला खान मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षा, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, साहित्य और खेल के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को शॉल ओढ़ाकर और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। बुजुर्गों को सम्मान देकर नई पीढ़ी को उनके अनुभव और योगदान से जुड़ने का संदेश भी दिया गया। समारोह में फाईज खान को एमबीबीएस पूरा करने और पहले ही प्रयास में एफएमजीई परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सम्मानित किया गया। अलीमा युनुस खान को एमबीबीएस की डिग्री पूरी करने पर सम्मान मिला। इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल हासिल करने वाली अतुफा खान और नुसरा ने कस्बे का गौरव बढ़ाया, वहीं सानिया खान को पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। मानसी और मलीहा खान को एमए में शानदार अंक हासिल करने पर सम्मान मिला। साहित्य के क्षेत्र में पुस्तक लेखन के लिए मौलाना सऊद खान और बैडमिंटन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उमर खान को सम्मानित किया गया। जूनिया खान, हिबा, अदीबा, गीता रानी और प्रीति रानी सहित अन्य मेधावी छात्राओं को भी सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व शिक्षक बदरू इस्लाम खान ने की, जबकि संचालन आयोजक मुमताज आलम ने किया। मुमताज आलम ने कहा कि शिक्षा वह ताकत है, जो व्यक्ति के साथ पूरे समाज की तकदीर बदल सकती है। समाज को चाहिए कि वह बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता दे और बेटियों को भी आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करे। प्रतिभाओं का सम्मान करने से दूसरे बच्चों को भी मेहनत करने और अपने लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा मिलती है। मेहर-ए-आलम खान ने सम्मानित प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज की उपलब्धियां आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेंगी। बुजुर्गों का सम्मान और युवाओं की हौसला अफजाई ही एक बेहतर समाज की बुनियाद है।

इस मौके पर अजीज आलम खान, नरूल इकराम खान, डॉ. यूसुफ खान, अनिल अग्रवाल, राजीव कुमार, रफीक खान, मोहम्मद यूसुफ खान, हाफिज नफीस, शहजाद अख्तर खान, मतलूब खान, तारिक खान, सरवर खान, शाहिद इस्लाम खान, नाज़िया खानम, जीनत खान, जमशेद आलम, मौलाना इमरान खान, नदीम खान, नसीब आलम खान, मारीफ उल्ला खान, जाकिर खान, फसाहत खान, अहमद खान, खुर्रम खान, हाफिज लियाकत, जावेद खान, हरपाल जाटव, शकील खान और सईद उ जमा खान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मॉडिफाइड साइलेंसर और संदिग्ध वाहनों के खिलाफ पुलिस का सघन चेकिंग अभियान

वेलकम इंडिया/फतेह खान





रूदौली (अयोध्या)। शुजागंज बाजार में तेज आवाज करने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगे दोपहिया वाहनों के खिलाफ पुलिस ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया। रविवार झ शाम करीब सात बजे चौकी प्रभारी शुजागंज अभिषेक सिंह ने पुलिस टीम के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की जांच-पड़ताल की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी। बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए दोबारा ऐसी लापरवाही न करने की चेतावनी दी गई। वहीं मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर तेज आवाज करने वाले वाहन चालकों को भी सख्त निर्देश दिए गए। चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह ने स्पष्ट संदेश दिया कि सड़क पर नियमों की अनदेखी और आमजन को परेशान करने वाली गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग आगे भी लगातार जारी रहेगी।

मतदाता सूची में नाम नहीं तो मतदान का अधिकार नहीं मिलेगा, ईसीआई नेट ऐप से तुरंत करें जांच: डीएम

फॉर्म-6 भरते समय नाम, मोबाइल नंबर और पिन कोड सहित पूरा पता सही दर्ज करें, 16 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार मादंड ने नागरिकों से मतदाता सूची में अपना और परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम जांचने की अपील की।

राजनगर एक्सटेंशन स्थित होटल लुमेरा ब्लूम में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में मतदान करने के लिए मतदाता सूची में नाम होना अनिवार्य है। नाम नहीं होने पर ईसीआई नेट ऐप या voters.eci.gov.in के माध्यम से फॉर्म-6 भरकर आवेदन करें।

उन्होंने फॉर्म में नाम, मोबाइल नंबर और पिन कोड सहित पूरा पता सही दर्ज करने के निर्देश दिए। आवेदन के साथ आवश्यक प्रमाण पत्र और नवीनतम फोटो भी अपलोड करनी होगी।

डीएम ने बताया कि दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि 16 दिसंबर है। 17 से 30 नवंबर तक घर-घर सत्यापन होगा। 21, 22, 28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान बीएलओ बूथों पर मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में एडीएम सिटी विकास कश्यप, एसडीएम अजीत सिंह, राम शंकर सहित एओए और आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी मौजूद रहे।

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के सम्मेलन में मोदीनगर वैश्य समाज ने की सहभागिता

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। दिल्ली में अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के सम्मेलन में मोदीनगर के वैश्य समाज के प्रतिनिधिमंडल ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। देश विदेश से आए समाज के गणमान्य लोगों ने सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती और समाज के उत्थान पर विचार रखे। मोदीनगर से गए प्रतिनिधिमंडल मे प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ बृजभूषण बंसल प्रदेश संगठन मंत्री देवराज मित्तल प्रदेश मंत्री संजय सिंघल सहित नवीन जायसवाल रविंद्र बंसल नरेश दानी अमित अग्रवाल मुकेश गुप्ता के के गुप्ता डॉ आसाराम गुप्ता रवि गोयल राकेश सिंघल प्रदीप गुप्ता राजेंद्र गोयल अभिषेक गोयल लोकेश गुप्ता बृजमोहन गुप्ता राजेंद्र अग्रवाल विनोद मित्तल प्रमोद गुप्ता आदि सदस्य शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और समाज के हित से जुड़े विषयों पर अपने सुझाव रखे। मुख्य अतिथि ने सभा को संबोधित करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में समाज की भूमिका को और मजबूत करने पर जोर दिया तथा युवाओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। वापसी पर मोदीनगर वैश्य समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि इस सम्मेलन से समाज को नई ऊर्जा और दिशा मिली है। आने वाले समय में क्षेत्र में सामाजिक एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आर्य समाज गोविन्दपुरी के वार्षिकत्सव के अंतिम दिवस 25 कुण्डीय यज्ञ का आयोजन



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आर्य समाज गोविन्दपुरी के 75वें वार्षिकत्सव के तीसरे व अंतिम दिवस पर प्रात :काल 25 कुण्डीय यज्ञ का आयोजन हुआ। जिसके ब्रह्मा आचार्य हरिप्रसाद जी रहे। 25 हवन कुण्ड के चारों ओर लगभग 100 दम्पत्तियों ने एक साथ बैठकर यज्ञ में आहुतियाँ अर्पित करीं। महिला जागृति सम्मेलन का मंच संचालन युवा पीढ़ी आद्या सचदेवा ने की। इस अवसर पर स्त्री आर्य समाज की प्रधाना श्रीमति अलका पंवार, मन्त्राणी अनिता भाटिया, कोषाध्यक्ष नूतन मलिक के साथ अनेक महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। शहर की कई सामाजिक संस्थाओं जैसे दशमेश खालसा समिति, निष्काम सेवा समिति, पंजाबी संगठन, मातृभूमि सेवा संगठन के सदस्यों एवं पदाधिकारियों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थानों के सदस्यों ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया। मंच संचालन मंत्री विश्वबन्धु ने किया। इस अवसर पर डा0 दिनेश मलिक (प्रधान आर्य समाज), अजय गर्ग, राजेश योगीराज, आनन्द त्यागी, विदित, सुनील भाटिया, वीरेन्द्र, दिव्य, कालूराम, विशाल आदि का विशेष सहयोग रहा। वार्षिकोत्सव की अन्तिम सभा में रात्रि में कवि सम्मेलन का आयोजन होगा।

पतंजलि वैलनेस सेंटर मोदीनगर में दो दिवसीय निःशुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर का शुभारंभ





अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। परम पूज्य योगऋषि स्वामी रामदेव महाराज के परम शिष्य पूज्य स्वामी परमार्थ देव (मुख्य केंद्रीय प्रभारी, भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति) के पावन सानिध्य में ग्राम-सीकरी कलां स्थित पतंजलि वैलनेस सेंटर मोदीनगर में दो दिवसीय निःशुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर (15 से 16 नवंबर 2026) का आयोजन किया जा रहा है।

संस्था के प्रमुख स्वामी आरोग्य देव के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में प्रातः 5:30 से 7:30 बजे तक साधकों को योगाभ्यास कराया गया। शिविर के दौरान स्वामी जी ने बी.पी., डायबिटीज, हृदय रोग, मोटापा, जोड़ों व कमर दर्द, लकवा, तनाव और माइग्रेन जैसे रोगों से मुक्ति पाने के लिए योग, भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा और घरेलू उपचार के उपयोगी नुस्खे बताए।

इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में राजेंद्र कौशिक और बबली गुर्जर उपस्थित रहे। साथ ही दिल्ली-एनसीआर से श्याम गुप्ता (पतंजलि योग समिति), टीकाराम (भारतीय शिक्षा बोर्ड), एसपी सिंह (सह-राज्य प्रभारी) और निरंजन आर्य (जिला प्रभारी, पतंजलि समिति) की विशेष रूप से भागीदारी रही।

कार्यक्रम को सफल बनाने में भारत स्वाभिमान, पतंजलि योग समिति, महिला पतंजलि योग समिति, युवा भारत और पतंजलि किसान सेवा समिति के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य साधकों की सक्रिय भागीदारी रही।

प्रेमी की दूसरी शादी की खबर सुन हाईटेंशन पोल पर चढ़ी महिला, पांच घंटे तक चला हाई-वोल्टेज ड्रामा




वेलकम इंडिया संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के गांव पाली में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि प्रेमी की दूसरी शादी की खबर सुनकर एक महिला हाईटेंशन बिजली के पोल पर चढ़ गई। महिला को बिजली के ऊंचे पोल पर चढ़ा देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए। करीब पांच घंटे तक पुलिस और अन्य लोगों की मशक्कत चलती रही। काफी समझाने-बुझाने और प्रयासों के बाद महिला को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा रही। फिलहाल महिला के इस कदम के पीछे प्रेम प्रसंग और प्रेमी की दूसरी शादी की खबर को वजह बताया जा रहा है। घटना गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। डॉ के एन मोदी साइंस एण्ड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में सड़क सुरक्षा माहह्व एक नवंबर से तीस नवंबर 2026ह्व मनाने के क्रम में यातायात निरीक्षक बृजेश कुमार यादव ने विद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान छात्रो एवं एन सी सी कैडेटस को यातायात नियमों के प्रति जागरुक करते हुए उन्हें अपनी तथा अपने परिजनों, संबंधियों एवं परिचितों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए यातायात के नियमों का अनुपालन करने हेतु प्रेरित किया इसके उपरांत विद्यालय के एन सी सी कैडेट्स के द्वारा शासन के आदेशों के क्रम में सड़क सुरक्षा जागरूकता माह (1 नवंबर से 30 नवंबर 2026) के अन्तर्गत कॉलेज के प्रधानाचार्य डा सतीश चंद अग्रवाल एवं 35 यू पी वाहिनी एन सी सी मोदीनगर के कमान अधिकारी कर्नल वी एन शुक्ला के निर्देशन में कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर एवं ले० राजीव जांगिड़ ने एन सी सी कैडेट्स एवं छात्रों को यातायात संबंधित सूक्ष्म जानकारियों से अवगत कराते हुए सभी को ट्रैफि क नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया। छात्रों एवं एन सी सी कैडेट्स को सड़क सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने सड़क के नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया तथा यातायात संबंधी जागरूकता शपथ दिलायी इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता आर के सिंह,दिनेश कुमार,शरद कुमार बाजपेई, राजीव सिंह,कांस्टेबल विरेश दीक्षित, डी ओ सी (स्काउट) श्याम सिंह, रिंकू चौधरी (डीओसी गाइड गाजियाबाद), जगदीश, एन सी सी कैडेट ध्रुव चौधरी कैशव, शिवान्शु यादव, इशू तितोरियाँ, अनुज तोमर, शिवा के अतिरिक्त विद्यालय के समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

ग्राम रोहटा में राष्ट्रीय लोकदल की बैठक संपन्न, प्रदेश महासचिव रणवीर दहिया ने युवाओं से संगठन से जुड़ने का किया आह्वान



वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। ग्राम रोहटा में आज राष्ट्रीय लोकदल की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन रवि भारत चिकारा ने किया तथा अध्यक्षता इंद्रपाल ने की। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव रणवीर दहिया ने पार्टी की नीतियों, विचारधारा एवं जनकल्याणकारी उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल हमेशा किसानों, मजदूरों, युवाओं एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों के लिए संघर्षरत रहा है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से राजनीति और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा से जुड़कर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक में मुख्य रूप से शिवकुमार, यशु, सचिन, गुड्डू, वीरेंद्र वाल्मीकि, आदित्य वाल्मीकि, रोहित, वीर राठी एवं उत्तम सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री हंस इंटर कॉलेज मुरादनगर का वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। श्री हंस इंटर कॉलेज मुरादनगर का वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महात्मा सत्य बोधानंद ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार, प्रबंधक टी डी शर्मा, सह प्रबंध आनंदी प्रसाद बाबूजी, व वरिष्ठ सदस्य अमरीश कुमार शर्मा ने सहयोग किया। कार्यक्रम का मंच संचालन एनसीसी ऑफिसर डॉक्टर अमित कुमार ने किया। कार्यक्रम में श्री हंस इंटर कॉलेज मुरादनगर, माता राजेश्वरी पब्लिक स्कूल, व हंस प्राथमिक पाठशाला के छात्र छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रोग्राम प्रस्तुत किये। समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार टीटोरिया, उपाध्यक्ष श्री कृष्ण पाल सिंह, प्रबंधक त्रिवेणी दत्त शर्मा, सह प्रबंधक श्री आनंदी प्रसाद बाबूजी ने श्री हंस इंटर कॉलेज मुरादनगर के प्रधानाचार्य विनोद कुमार, माता राजेश्वरी पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती मंजूषा सोहर एवं हंस प्राथमिक पाठशाला के प्रधानाध्यापक रामनाथ को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित किया। तथा प्रबंध समिति ने सांस्कृतिक प्रोग्राम में अहम भूमिका निभाने वाली अध्यापिकाओं श्रीमती हेमलता शर्मा, श्रीमती नीरा चौधरी, श्रीमती स्वाति बक्शी, रोही तथा मंच संचालन एवं एनसीसी के लिये डॉ अमित कुमार, स्काउट के शिक्षक राजकुमार एवं आजाद कुमार, स्काउट बैंड के प्रभारी अखिलेश कुमार एवं प्रमोद कुमार, कलर पार्टी की संचालिका श्रीमती जयंती मठपाल व वर्षा, हाउस के संचालक रविंद्र कुमार, तथा रामकुमार एवं सुनील कुमार लिपिक दिनेश कुमारको स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रबंध समिति ने विद्यालय के लिपिक दिनेश कुमार को भी उनके श्रेष्ठ कार्य के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा हाई स्कूल व इंटर में सत प्रतिशत रिजल्ट से अवगत कराया। मुख्य अतिथि महात्मा श्री सत्य बोधानंद नंद ने अपने संबोधन में कहा की सभी बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक ज्ञान एवं धार्मिक शिक्षा भी लेनी चाहिए।

भाकियू किसान सभा की पंचायत में गूंजे किसानों और जनहित के मुद्दे

चिराग त्यागी को न्याय दिलाने की उठी मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। भारतीय किसान यूनियन किसान सभा की एक विशाल पंचायत का आयोजन जेवीएस फार्म हाउस, सैतली में किया गया। पंचायत की अध्यक्षता राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज त्यागी ने की। पंचायत में क्षेत्र के कई दर्जन गांवों से बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण एवं संगठन के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। पंचायत में सबसे प्रमुख मुद्दा राष्ट्रीय खिलाड़ी चिराग त्यागी की निर्मम हत्या का रहा। वक्ताओं ने कहा कि इतने प्रतिभाशाली राष्ट्रीय खिलाड़ी की हत्या के बाद भी पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से उचित मुआवजा एवं न्याय नहीं मिलना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इसको लेकर पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश है। वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार ने जल्द इस मामले में उचित कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय नहीं दिलाया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। क्षेत्र की जनता का यह आक्रोश आने वाले चुनावों में भी दिखाई देगा।

इसके साथ ही किसानों ने मांग की कि गन्ने का रेट बढ़ाकर किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिया जाए, ताकि किसानों को आर्थिक राहत मिल सके। जिला अध्यक्ष पुष्कर त्यागी ने लैंड क्राफ्ट मेट्रो होम्स सोसाइटी की बिजली समस्या को गंभीरता से उठाते हुए मांग की कि सोसाइटी की विद्युत सप्लाई को शहर की मुख्य विद्युत व्यवस्था से जोड़ा जाए। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन किसान सभा जनहित के मुद्दों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखेगी। समाजसेवी हरिओम त्यागी, हैप्पी त्यागी प्रदेश महासचिव, जिला अध्यक्ष पुष्कर त्यागी, युवा जिला अध्यक्ष रोहित चौधरी, आकाश त्यागी, रोहित त्यागी, पप्पू त्यागी, अमरीश त्यागी, अन्नू प्रधान, इरफान खान, अबजद खान, सुशील प्रजापति, प्रदीप शर्मा, अमित कश्यप, अभिषेक वर्मा, सागर त्यागी, कुलदीप त्यागी पदाधिकारी मौजूद रहे।

आगामी विधानसभा चुनाव में ग्राम पंचायतों की ताकत होगी महत्वपूर्ण

पंचायत प्रतिनिधियों की आवाज पहुंचेगी विधानसभा तक : ब्रजवीर दहिया

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। ऑल इंडिया पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रजवीर दहिया ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि इस चुनाव में ग्राम पंचायतों और ग्राम प्रधानों की सामूहिक शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहने वाली है। प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों में किसी भी राजनीतिक दल या राजनीतिक समीकरण को अंतिम मानकर नहीं चला जा सकता। ग्रामीण भारत की सामूहिक शक्ति चुनावी परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान केवल अपने गांव के विकास तक सीमित जनप्रतिनिधि नहीं हैं, बल्कि वे ग्रामीण समाज की समस्याओं, जरूरतों और अपेक्षाओं को सबसे नजदीक से समझते हैं। गांवों में उनकी सामाजिक भागीदारी और जनता से सीधा जुड़ाव उन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण ताकत बनाता है। ग्राम पंचायतों की सामूहिक आवाज को अब विधानसभा तक पहुंचना चाहिए। ब्रजवीर दहिया ने कहा कि पिछले पांच से छह वर्षों में अनेक ग्राम पंचायतें आर्थिक संसाधनों के अभाव में विकास कार्यों को लेकर संघर्ष करती रही हैं। कई स्थानों पर विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। पंचायतें बजट की कमी, अधिकारों और कार्यों की स्वीकृति जैसी समस्याओं से जूझती रही हैं। आज आवश्यकता है कि विधानसभा में ऐसे जनप्रतिनिधि हों जो पंचायतों की वास्तविक स्थिति को समझें और ग्रामीण जनता की समस्याओं को मजबूती से उठा सकें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जनता ही भारत की असली ताकत है। देश की अर्थव्यवस्था, संस्कृति और लोकतंत्र की नींव गांवों में है। जब गांवों की आवाज विधानसभा में पहुंचेगी, तभी ग्रामीण भारत के विकास, पंचायतों के अधिकार और ग्रामीण जनता के सम्मान को उचित स्थान मिल सकेगा। ऑल इंडिया पंचायती राज संगठन की भूमिका- ब्रजवीर दहिया ने स्पष्ट किया कि ऑल इंडिया पंचायती राज संगठन आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी स्वतंत्र संगठनात्मक भूमिका निभाएगा। संगठन पंचायतों की आवाज, ग्रामीण विकास और पंचायत प्रतिनिधियों की भागीदारी को विधानसभा तक पहुंचाने के उद्देश्य से अपने समर्थित उम्मीदवारों को भी समर्थन देगा। संगठन की यह पहल पंचायतों को केवल स्थानीय स्तर तक सीमित रखने के बजाय प्रदेश की लोकतांत्रिक और विधायी व्यवस्था में उनकी भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसी राजनीतिक दल के विरोध में खड़ा होना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के मुद्दों, पंचायतों के अधिकारों और योग्य जनप्रतिनिधित्व को प्राथमिकता देना है। ग्राम पंचायतों की समस्याओं को समझने वाले और ग्रामीण जनता की आवाज उठाने वाले नेतृत्व को लोकतांत्रिक व्यवस्था में उचित स्थान मिलना चाहिए। ब्रजवीर दहिया ने कहा कि अब समय है कि ग्रामीण भारत की ताकत, ग्राम पंचायतों की भूमिका और पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मान को विधानसभा के स्तर पर पहचान मिले। गांव मजबूत होंगे, पंचायतें मजबूत होंगी और ग्रामीण जनता की आवाज निर्णय लेने वाली संस्थाओं तक पहुंचेगी, तभी लोकतंत्र वास्तव में मजबूत होगा।

अखिलेश ने मंच पर पकड़ा रवि गौतम का हाथ, विरोधियों की अटक गई सांस

क्या 2027 के विधानसभा चुनाव में रवि गौतम पर बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं अखिलेश यादव?

- दलित राजनीति में अपनी आक्रामक पहचान बना चुके युवा शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष को मिला खास सम्मान, सपा की नजर दलित वोट बैंक पर





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगरा में समाजवादी पार्टी के दलित महासम्मेलन के दौरान एक ऐसा राजनीतिक दृश्य देखने को मिला, जिसने पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर गाजियाबाद तक सियासी चचाओं को गर्म कर दिया है। अधिवेशन में गाजियाबाद से भी समाजवादी पार्टी के कई नेता अपनी-अपनी टीम के साथ पहुंचे थे, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा युवा शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि गौतम को मिले सम्मान की हो रही है। मंच पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जिस अंदाज में रवि गौतम का हाथ पकड़कर उन्हें जनता के सामने पेश किया, उसने राजनीतिक जानकारों को नए सियासी समीकरणों पर विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। अखिलेश यादव का यह अंदाज महज औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि रवि गौतम के प्रति उनके बढ़ते भरोसे और राजनीतिक महत्व का संकेत माना जा रहा है।

दरअसल, पिछले कुछ समय से रवि गौतम दलित समाज के बीच अपनी अलग पहचान बनाने में जुटे हुए हैं। युवा शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने जिस आक्रामक अंदाज में अपनी राजनीतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाया है, उससे उनकी चर्चा लगातार बढ़ रही है। दलित समाज से जुड़े मुद्दों को लेकर उनकी सक्रियता, युवाओं के बीच उनकी पहुंच और राजनीतिक मंचों पर उनकी मौजूदगी ने उन्हें एक उभरते हुए दलित चेहरे के रूप में स्थापित करने की कोशिश की है। ऐसे में आगरा के अधिवेशन में अखिलेश यादव द्वारा उन्हें दिया गया खास महत्व कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या अखिलेश यादव आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को ध्यान में रखते हुए रवि गौतम को कोई बड़ी राजनीतिक जिम्मेदारी देने की तैयारी कर रहे हैं? जिस तरह से अखिलेश यादव ने मंच पर उनका हाथ पकड़कर उन्हें लोगों के सामने पेश किया, उससे यह संदेश देने की कोशिश दिखाई देती है कि पार्टी नेतृत्व युवा और प्रभावशाली दलित चेहरों को आगे बढ़ाने के मूड में है। हालांकि, अभी तक रवि गौतम को लेकर किसी विधानसभा सीट या चुनावी जिम्मेदारी की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इस घटनाक्रम ने संभावनाओं को जरूर हवा दे दी है।

समाजवादी पार्टी के सामने आगामी विधानसभा चुनाव में दलित मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की बड़ी चुनौती है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित वोट बैंक हमेशा से निर्णायक भूमिका निभाता रहा है। एक समय बहुजन समाज पार्टी दलित राजनीति की सबसे मजबूत ताकत मानी जाती थी, लेकिन पिछले कुछ चुनावों में पार्टी के राजनीतिक प्रभाव और चुनावी प्रदर्शन को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ऐसे राजनीतिक माहौल में समाजवादी पार्टी दलित समाज के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए नए चेहरों और स्थानीय प्रभाव रखने वाले नेताओं को आगे लाने की रणनीति पर काम कर सकती है। इसी रणनीति में रवि गौतम जैसे नेताओं की भूमिका अहम हो सकती है। समाजवादी पार्टी यदि उन्हें आगे बढ़ाती है तो इसका उद्देश्य केवल एक नेता को सम्मान देना नहीं, बल्कि दलित समाज के बीच एक मजबूत राजनीतिक संदेश पहुंचाना भी हो सकता है। पार्टी यह संदेश देना चाहेगी कि दलित समाज के युवा और संघर्षशील नेताओं को संगठन तथा चुनावी राजनीति में पर्याप्त स्थान दिया जा रहा है। इससे दलित युवाओं के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने में मदद मिल सकती है। गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्रों की राजनीति में भी इस घटनाक्रम के दूरगामी मायने निकाले जा रहे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दलित, मुस्लिम, पिछड़े और अन्य सामाजिक वर्गों का चुनावी समीकरण कई सीटों पर हार-जीत तय करता है। ऐसे में रवि गौतम की सक्रियता समाजवादी पार्टी के लिए राजनीतिक रूप से फायदेमंद साबित हो सकती है। खासकर उन विधानसभा क्षेत्रों में, जहां दलित मतदाताओं की संख्या चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की स्थिति में है, वहां रवि गौतम की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

छठ घाट पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे पुलिस आयुक्त, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। छठ महापर्व के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं पूजा स्थलों पर पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड़ ने पुलिस बल के साथ थाना साहिबाबाद क्षेत्र स्थित हिंडन घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस आयुक्त ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और पुलिस की सतर्कता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि छठ पूजा के दौरान घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

हिंडन घाट पर छठ पूजा की धूम, डूबते सूर्य को अर्घ्य देने उमड़ा हजारों श्रद्धालुओं का सैलाब







वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद में रविवार को छठ महापर्व के तीसरे दिन हिंडन नदी के किनारे आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। खोड़ा क्षेत्र स्थित छठ घाटों पर हजारों की संख्या में व्रती महिलाएं और उनके परिवार पहुंचे। व्रती महिलाओं ने नदी के पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया और छठी मैया की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते मेले जैसा माहौल रहा। कई श्रद्धालु मन्नत पूरी होने पर दंडवत करते हुए घाट पहुंचे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस और प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए थे। कैनाल रोड पर यातायात डायवर्ट किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष मोहनी शर्मा ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पूर्वांचल कल्याण समिति और सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने भी सहयोग किया। वहीं, हिंडन नदी छठ घाट पर नगर निगम की ओर से भव्य फव्वारा और म्यूजिकल लेजर शो का आयोजन किया गया, जिसका श्रद्धालुओं ने आनंद लिया। घाट छठी मैया के जयकारों और भक्ति गीतों से गूंजते रहे।

लोनी में अस्पताल के बाहर फायरिंग करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। लोनी थाना पुलिस ने शिवेन हॉस्पिटल में इलाज कराने आए एक परिवार पर जानलेवा हमला करने और वाहन में तोड़फोड़ करने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल .32 बोर की अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 14 नवंबर को पीड़ित पक्ष ने शिकायत दी थी कि गौरव अम्बावत और उसके साथियों ने शिवेन हॉस्पिटल में इलाज कराने आए उसके परिजनों पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की और गाड़ी में तोड़फोड़ की। शिकायत के आधार पर हत्या के प्रयास सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने 15 नवंबर को जितेंद्र खारी उर्फ जीतू, गौरव अम्बावत, गौरव उर्फ राघव और विपिन शर्मा उर्फ आशु को गिरफ्तार कर लिया। जितेंद्र खारी के कब्जे से पिस्टल और कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ा दी हैं। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

डसना ईस्टर्न पेरीफेरल हाईवे पर चलते ट्रक में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने टाला बड़ा हादसा

सीएनजी सिलेंडरों तक पहुंच सकती थी आग, दमकल की दो गाड़ियों ने कुछ ही देर में पाया काबू







वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली-हापुड़ एक्सप्रेसवे पर डसना ईस्टर्न पेरीफेरल हाईवे के पास रविवार सुबह दिल्ली से मुरादाबाद जा रहे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। ट्रक में तिरपाल, गीजर, इलेक्ट्रिकल सामान, खिलौने और घरेलू उपयोग की वस्तुएं भरी हुई थीं। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन कोतवाली और स्वदेशी कंपाउंड से एक-एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची। ट्रक संख्या UP-15-FT-0715 में लगी आग को दमकलकर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही देर में बुझा दिया। ट्रक के दोनों तरफ सीएनजी सिलेंडर लगे होने के कारण आग फैलने का खतरा था। हालांकि, दमकलकर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए सिलेंडरों को सुरक्षित बचा लिया। रविवार सुबह 7:19 बजे आग की सूचना मिली थी। फिलहाल मौके पर कूलिंग की कार्रवाई की गई। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग की मुस्तैदी से संभावित बड़ा हादसा टल गया।

हिन्द नगर जंगल के पास गांजा तस्कर गिरफ्तार, 1.6 किलो गांजा बरामद



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना कोतवाली नगर पुलिस ने अवैध गांजे की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो 600 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 14 नवंबर 2026 को पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर हिन्द नगर जंगल के किनारे छापेमारी कर हर्ष (24) पुत्र नेपाल निवासी मकान नंबर 307, दौलतपुरा, थाना कोतवाली नगर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर अवैध गांजा बेचने का आरोप है। पुलिस ने उसके कब्जे से गांजा बरामद कर लिया। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पत्रकारों ने दी नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक को भावभीनी विदाई

शक्ति सिंह के अथक क्रिया से सफल हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निगम में अपने सफल कार्यकाल के बाद मेरठ विकास प्राधिकरण (MDA) के उपाध्यक्ष (VC) पद पर नई तैनाती पाने वाले कअर अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक के सम्मान में गाजियाबाद के पत्रकारों की ओर से भव्य सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पत्रकारों ने विक्रमादित्य सिंह मलिक को सम्मानित करते हुए उनके कार्यकाल की सराहना की और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पत्रकारों ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान नगर निगम में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए।





विक्रमादित्य सिंह मलिक ने भी अधिकारियों और पत्रकारों के बीच बेहतर संवाद, शहर के विकास के प्रति उनकी सक्रियता और जनसमस्याओं को लेकर उनकी गंभीरता हमेशा याद रखी जाएगी। समारोह के दौरान पत्रकारों के साथ अपने अनुभव साझा किए और गाजियाबाद में बिताए कार्यकाल को यादगार बताया। उन्होंने पत्रकारों के सहयोग, सुझावों और सकारात्मक संवाद के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डीसीपी ट्रांस हिंडन रिजुल, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, उद्यान अधिकारी अनुज सिंह, चीफ इंजीनियर एनके चौधरी, स्वास्थ्य अधिकारी मिथलेश कुमार और नगर निगम के पीआरओ आलोक कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। वही अधिकारियों ने नगर आयुक्त के साथ बिताए अपने कार्य को याद किया वही डीसीपी ऋजुल ने और अपर नगर आयुक्त ने अपने विचार साझा किए। वहीं पत्रकार जगत की ओर से अशोक ओझा, सलामत मियां, एसपी चौहान, अनुज चौधरी, शक्ति सिंह, अशोक शर्मा, दीपक सिरोही, हेमेंद्र बंसल अशोक कौशिक, गौरव, शशि नारायण, रोहित सिंह, यादराम दीपक चौधरी, तेजेश चौहान, अली मेंहदी, अरुण चंद्रा मनोज अनूप पांडे शर्मा, सुनील गौतम, शोभरम सिंह, शिवम गिरी, मयंक गौड़, उदयवीर सोनू अरोड़ा, संजीव शर्मा, अनुराग सिंह, राहुल सिंह, सचिन कुमार, मनोज सिंह, अरुण चंद्रा सन्नी गौतम, अभिषेक शर्मा, शहबाज, नरेश चंद्रा, नितिन कुमार, हिमांशु चौहान, कुलवंत और राजकुमार सहित कई वरिष्ठ एवं साथी पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आत्मीयता, सम्मान और अपनत्व का माहौल देखने को मिला। पत्रकारों ने एक स्वर में विक्रमादित्य सिंह मलिक के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि गाजियाबाद से उनका जुड़ाव हमेशा बना रहेगा। नई जिम्मेदारी, नई उम्मीदें और नई उपलब्धियां—गाजियाबाद के पत्रकार परिवार की ओर से विक्रमादित्य सिंह मलिक को मेरठ में नई पारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं। सफल संचालन वरिष्ठ पत्रकार अशोक ओझा ने किया एवं शक्ति सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एस.एफ. हेल्पिंग हैंड्स सोसाइटी ने 180 बच्चों के साथ मनाया बाल दिवस

मैकडॉनल्ड्स के बर्गर, फ्रेंच फ्राइज और फ्रूट जूस बांटकर बांटी खुशियां

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। बाल दिवस के अवसर पर स्ट्रेंजर फ्रेंड्स हेल्पिंग हैंड्स सोसाइटी (SF NGO) द्वारा संस्था के सभी बच्चों के साथ हर्षोल्लास और उत्साह के साथ बाल दिवस मनाया गया। इस विशेष आयोजन में लगभग 180 बच्चे शामिल हुए। बच्चों के लिए इस दिन को यादगार बनाने हेतु विशेष व्यवस्था की गई, जिसमें सभी बच्चों को मैकडॉनल्ड्स के स्वादिष्ट बर्गर, फ्रेंच फ्राइज और फ्रूट जूस वितरित किए गए। अपनी पसंदीदा चीजें पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने पूरे उत्साह के साथ बाल दिवस का आनंद लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को भी बाल दिवस की खुशियों से जोड़ना और उन्हें यह एहसास कराना था कि उनका बचपन भी उतना ही खास और अनमोल है। सभी बच्चों ने एक साथ बैठकर स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। बच्चों की हंसी, उत्साह और मुस्कान ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। संस्था की अध्यक्ष शिखा बंसल ने कहा कि बच्चे किसी भी समाज की सबसे अनमोल धरोहर होते हैं। प्रत्येक बच्चे को अच्छी शिक्षा, प्यार, सम्मान और खुशहाल बचपन मिलना चाहिए। संस्था का निरंतर प्रयास रहता है कि आर्थिक परिस्थितियों के कारण कोई भी बच्चा खुशियों और अवसरों से वंचित न रहे। संस्था के संस्थापक पियूष बंसल ने कहा कि बाल दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का अवसर भी है। हमारा प्रयास है कि जरूरतमंद बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के साथ उनके जीवन में खुशियों के ऐसे पल भी जोड़े जाएं, जिन्हें वे हमेशा याद रख सकें। बच्चों की मुस्कान ही हमारे सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने की सबसे बड़ी प्रेरणा है। संस्था की वरिष्ठ सदस्य अंकिता शर्मा ने कहा कि बच्चों के साथ बाल दिवस मनाना बेहद सुखद अनुभव रहा। जब सभी बच्चे एक साथ खुशी से मुस्कुराते हैं, तो संस्था के प्रत्येक सदस्य को अपने प्रयासों की सार्थकता महसूस होती है। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के सदस्यों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके सर्वांगीण विकास और बेहतर भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करते रहने का संकल्प लिया।









IPS अफसर के 8 साल के बेटे से स्कूल में अभद्रता, मारपीट का आरोप!



वेलकम इंडिया संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के दिल्ली पब्लिक स्कूल (DPS) से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। DIG देवरंजन वर्मा के 8 वर्षीय बेटे के साथ कथित तौर पर एक सीनियर छात्र ने अभद्रता और मारपीट की। हद तो तब हो गई, जब आरोपी छात्र की पहचान कराने के नाम पर स्कूल प्रबंधन ने कथित तौर पर मासूम बच्चे को करीब 1,000 छात्रों के सामने घुमाया। इस दौरान दूसरे बच्चों ने उसका मजाक भी उड़ाया। घटना से मानसिक रूप से परेशान बेटे को न्याय दिलाने के लिए DIG ने स्कूल के प्रिंसिपल, काउंसलर और टीचर के खिलाफ लखनऊ के PGI थाने में FIR दर्ज कराई है।